mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-91 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
03 अप्रैल 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

हालात: औलाद के बेरोजगार होने पर बुजुर्गों में बढ़ जाता है अवसाद का खतरा

आर्थिक-सामाजिक सुरक्षा में गहरा संबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में बुजुर्गों के अवसाद में जाने की एक बड़ी वजह उनकी वयस्क औलादों का बेरोजगार होना है। यह खुलासा अनुदैर्ध्य वृद्धावस्था (एलएएसआई) के सर्वे में हुआ है। एलएएसआई के तहत इकट्ठा किए गए आंकड़ों में सामने आया है कि औलादों की बेराजगारी में बुजुर्ग माता-पिता में अवसाद का खतरा 12 फीसदी अधिक बढ़ जाता है।

जर्नल सोशल साइंस एंड मेडिसिन में छपे इस शोध अध्ययन के नतीजों से यह भी पता चला है कि बुजुर्गों की भलाई और बच्चों की नौकरी के बीच का जुड़ाव उन परिवारों में और गहरा हो जाता है जहां माता-पिता की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा बच्चों पर अधिक निर्भर होती है, यानी जहां बच्चों का सहारा माता-पिता के लिए अधिक जरूरी होता है, ऐसे परिवारों में उनकी बेरोजगारी का असर भी अधिक गंभीर होता है। स्वीडन की उमिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं सहित अन्य शोधकर्ताओं ने देखा कि जो बुजुर्ग सामाजिक रूप से सक्रिय रहते हैं, वे मानसिक तौर से भी अधिक सेहतमंद होते हैं। इसके उलट अकेले या सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने वाले बुजुर्गों में अवसाद का खतरा अधिक पाया गया।

बुजुर्गों की आबादी में भारत दुनिया में दूसरा : स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 2017-18 में शुरू किए इस सर्वे में पूरे देश में 45 साल और उससे अधिक उम्र के 73,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि देश में भले ही युवा आबादी अधिक है, लेकिन भारत दुनिया में दूसरे सबसे अधिक बुजुर्गों की आबादी का घर है। इसके बावजूद देश में अभी तक सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली नहीं है और केवल 60 साल और उससे अधिक उम्र के 18 फीसदी बुजुर्गों के पास ही स्वास्थ्य बीमा है।

युवा पीढ़ी के रोजगार खोने पर बुजुर्ग हो जाते हैं असहाय

भारत की पारिवारिक व्यवस्था में बच्चों का माता-पिता की देखभाल एक सामान्य परंपरा है। ऐसे में बुजुर्ग आर्थिक और स्वास्थ्य मदद के लिए अपने बच्चों पर काफी निर्भर रहते हैं। यही वजह है कि जब बच्चे नौकरी खो देते हैं, तो इसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है। उमिया विश्वविद्यालय के जनसांख्यिकी और उम्र बढ़ने के शोध केंद्र के शोधकर्ता ऋषभ त्यागी के मुताबिक, भारत में पीढ़ियां आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं। जब युवा पीढ़ी रोजगार खोती है, तो बुजुर्गों की स्थिति कमजोर हो जाती है, खासकर तब, जब वे सामाजिक रूप से सक्रिय नहीं होते। शोधकर्ताओं के मुताबिक, वयस्क औलादों की बेरोजगारी से माता-पिता के अवसाद का खतरा 3.14 फीसदी अंक (लगभग 12.48% वृद्धि) तक बढ़ जाता है।

बेटे की बेरोजगारी का असर बेटियों से अधिक

शोध में सामने आया कि पहले बेटे की बेरोजगारी का असर माता-पिता पर बेटियों के मुकाबले ज्यादा होता है। यह भारत की सामाजिक मान्यताओं को दर्शाता है, जहां बड़े बेटे से बुजुर्गों की देखभाल की उम्मीद की जाती है।

शाह बोले- 15 दिन बंगाल में रहूंगा: ममता को घर में हराना है, टीएमसी को खाड़ी में फेंक दो

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में रोड शो किया। उन्होंने कहा- मैं अगले 15 दिन बंगाल में रहने वाला हूं। ञस्स्ट को जड़ से उखाड़ फेंकने और उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए हर किसी को बिना किसी डर के वोट देना चाहिए। कोई भी गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता।

शाह का काफिला जब कालीघाट पहुंचा, जहां से ममता का घर कुछ ही दूर है वहां पर ञस्स्ट कार्यकर्ता ने काफिले के सामने जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिंदाबाद के नारे लगाए। सिर पर काला कपड़ा बांधे लोगों ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए।

इसके बाद टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प होने लगी। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और भीड़ पर कंट्रोल किया। इससे पहले शाह ने कोलकाता में रैली में कहा- सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि सिर्फ नंदीग्राम में ही नहीं बल्कि हमें ममता को उनके घर में भी हराना होगा।

दरअसल, सीएम ममता पश्चिम बंगाल की भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ रही हैं। बीजेपी ने उनके खिलाफ सुवेंदु अधिकारी को दोनों सीट से मैदान में उतारा है।

गडकरी बोले- असम की जनता भाजपा को जनादेश देगी

असम चुनाव पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि असम की जनता एक बार फिर भाजपा को भारी जनादेश देगी। इसकी वजह यह है कि 2014 के बाद से आज हालात कितने बदल गए हैं। मोदी जी के पीएम पद की शपथ लेने के बाद यह तय किया गया था कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आज हम अच्छी सड़कें, ब्रह्मपुत्र नदी पर 11-12 पुल, हवाई अड्डे, जलमार्ग और रेलमार्ग देख सकते हैं। क्योंकि लोग देख रहे हैं कि उनकी आकांक्षाएं पूरी हो रही हैं, इसलिए विकास के प्रति सकारात्मकता और समर्थन का माहौल है। इसीलिए असम की जनता हमें चुनने के लिए सकारात्मक रूप से मतदान करेगी।

राहुल बोले- अमेरिका से समझौते का किसानों पर असर

असम के कार्बी आंगलोंग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा- आप पूछ सकते हैं कि असम चुनाव में मैं अमेरिका-भारत समझौते की बात क्यों कर रहा हूं, लेकिन आपको समझना होगा कि आप पर दबाव कहां से आ रहा है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ समझौता किया और भारत की कई चीजें अमेरिका के हवाले कर दीं। उन्होंने भारत की कृषि व्यवस्था को अमेरिका के लिए खोल दिया। सोयाबीन, दालें, फल और कपास जैसे क्षेत्र अमेरिकी किसानों के लिए खोल दिए गए हैं।

‘किसी भी हालात का सामना करने को भारत तैयार’, पश्चिम एशिया संकट पर बोले राजनाथ सिंह

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल विधासभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को राज्य में प्रचार की कमान संभाली। इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में ईंधन या गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तैयार है।

केरल में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना हमारे टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से ला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के हितों की रक्षा के लिए अपनी कूटनीतिक कुशलता का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है।

पश्चिम बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक

सुप्रीम कोर्ट नाराज:कहा- उन्हें खाना-पानी तक नहीं मिला, होम सेक्रेटरी-डीजीपी से संपर्क भी नहीं हुआ

कोलकाता, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में SIR से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। इसका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है।

CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा। दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी बुधवार को मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। मालदा में लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को नारायणपुर स्थित BSF कैंप के सामने भीड़ इकठ्ठा हो गई। लोगों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया। सड़क पर टायरों में आग लगा दी गई।

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया:कहा- सदन में पार्टी की तरफ से नहीं बोलेंगे

गिर्ग वर्कर्स-रिचार्ज जैसे मुद्दे उठा चुके

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (AAP) ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया है। उनकी जगह यह पोस्ट राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल दे दी है। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर यह जानकारी दी।

लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है।पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और AAP को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं।

27 फरवरी को जब एक निचली अदालत से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में भी वे गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे उठा रहे थे।

अशोक मित्तल भी पंजाब से ‹क्क के राज्यसभा सांसद हैं। वे जालंधर के रहने वाले हैं। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे। राजनीति में आने से पहले वह कामयाब बिजनेसमैन रहे हैं। उनका परिवार ‘लवली ग्रुप’ का मालिक है, जो ऑटोमोबाइल और मिठाई (लवली स्वीट्स) के व्यवसाय से जुड़ा है।

नीतीश से मिले तेजस्वी के बागी विधायक

इस्तीफे के बाद भी सीएम को ज़ेड+ सिक्योरिटी, नोटिफिकेशन में लिखा- रिजाइन देकर राज्यसभा की सदस्यता लेंगे

पटना, एजेंसी। बिहार में बहुत जल्द बड़ा सियासी उलटफेर होने वाला है। सूत्रों की मानें तो नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं और 18 तारीख तक बिहार में नई सरकार का गठन होगा।

इन चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला हुआ है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद नीतीश कुमार को ज़ेड प्लस कैटेगरी की सिक्योरिटी मिलेगी। बिहार सरकार के गृह विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है।इस अधिसूचना में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे भी का जिक्र है। लेटर में लिखा गया है, बिहार विधान परिषद के सदस्य और मुख्यमंत्री बिहार के पद से त्याग-पत्र देकर राज्यसभा सदस्य की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

गृह विभाग के लेटर में इस्तीफे का जिक्र

गृह विभाग की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, नीतीश कुमार को बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट-2000 के तहत सुरक्षा का योग्य माना गया है। ये कानून विशिष्ट व्यक्तियों को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर सुरक्षा कवर प्रदान करने का अधिकार देता है। विभाग ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल और वर्तमान राजनीतिक स्थिति की समीक्षा के बाद सुरक्षा को लेकर ये कदम उठाया गया है।

चंडीगढ़:बीजेपी ऑफिस अटैक के बाद हाईकोर्ट को उड़ाने की धमकी

हमले से जुड़े 2 और वीडियो सामने आए;

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित पंजाब बीजेपी के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक इस हमले में GHD2P हैंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया था। यह ग्रेनेड पाकिस्तान में बनाया जाता है।

जानकारी के अनुसार, विस्फोट के बाद यह करीब 5 से 10 मीटर के दायरे में बेहद घातक साबित हो सकता है। वहीं इसके टुकड़े 20 से 25 मीटर तक फैल सकते हैं, जिससे आसपास मौजूद लोगों के गंभीर रूप से घायल होने का खतरा रहता है।

इससे पहले 2 नए वीडियो सामने आए। हमले से कुछ मिनट पहले वीडियो में BJP ऑफिस के पास स्थित एक अन्य दफ्तर के बाहर 2 संदिग्ध खड़े दिखाई दे रहे हैं। वहीं दूसरे वीडियो में हमले के बाद दोनों संदिग्ध सड़क के दूसरी ओर भागते हुए कैद हुए हैं।

उधर, पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को चौथी बार बम से उड़ने की धमकी ईमेल के जरिए मिली है। लेकिन इस बार ईमेल पुलिस हेडक्वार्टर में आई है। बताया जा हा है कि इससे पहले जो तीन ईमेल आई है, वह हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की सरकारी ईमेल पर आई है। सुरक्षा एजेंसियां हाईकोर्ट की जांच कर रही है।

वहीं चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वर्किंग प्रधान अश्वनी शर्मा ने कहा कि ऑफिस की सिक्योरिटी पंजाब पुलिस के पास थी।

सीएम मान बोले- बीजेपी अपनी जिम्मेदारी खुद ले

सीएम भगवंत मान ने कहा कि चंडीगढ़ एक यूटी (केंद्र शासित प्रदेश) है और इसका प्रशासक गवर्नर होता है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में 60 :40 की व्यवस्था है, लेकिन अगर वहां कोई हिंसा की घटना हो जाए तो उसके लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाता है। अगर चंडीगढ़ में फिरौती के लिए कॉल आ जाए, तब भी उन्हें ही जिम्मेदार कहा जाता है ।उन्होंने आगे कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी में धरना लगे तो भी उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाता है। यहां तक कि अगर चंडीगढ़ में बीजेपी, अकाली दल और कांग्रेस के नेता एक गाड़ी में बैठकर धरना देने चले जाएं, तब भी जिम्मेदारी उन पर डाल दी जाती है।

भगवंत मान ने कहा कि जब वह चंडीगढ़ को पंजाब की राजधानी बताते हैं, तो उन्हें गद्दार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और इस तरह की बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

ट्रम्प बोले: ईरान पर जीत हासिल की,उनकी सेना हमारे कंट्रोल में

● **समझौता नहीं किया तो पाषाण युग में पहुंचा देंगे**

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार सुबह राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ईरान जंग में जीत मिली है। साथ ही चेतावनी दी कि अमेरिका 2-3 हफ्ते में ईरान पर बड़ा हमला करेगा। ट्रम्प ने आगे कहा कि

ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नौसेना खत्म हो गई है। सैन्य ताकत काफी कमजोर हो गई है। इस सैन्य अभियान का अहम मकसद पूरा होने वाला है। ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका, ईरान को स्टोन एज, यानी पाषाण काल में भेज देगा। हालांकि उन्होंने यह दावा भी किया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नई लीडरशिप पहले से कम कट्टर है।

जंग के चलते तेजस के इंजन की सप्लाई रुकी

अमेरिकी कंपनी को डिलीवरी देनी है, अब साल के अंत में आएंग

नई दिल्ली ,एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण भारत के बहुप्रतीक्षित लड़ाकू विमान तेजस के इंजन की सप्लाई रुक गई है। इन विमानों के इंजन सप्लाई करने वाली अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को कह दिया है कि अभी सप्लाई नहीं दे पाएंगे। सूत्रों ने बताया कि अब साल के अंत तक ही इंजन मिलने की उम्मीद है। 113 इंजनों की आपूर्ति का करार हुआ था।

हिमाचल में ड्राइविंग टेस्ट और वाहन फिटनेस अब हाईटेक हुई, 5 से 10 मिनट में होगा वाहनों का परीक्षण

शिमला, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने जानकारी दी है कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश में सात स्थानों पर स्वचालित परीक्षण केंद्र (एटीएस) स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इन केंद्रों में कांगड़ा, मंडी, बिलासपुर, नालागढ़ और पावंटा में निजी एटीएस तथा हरोली और नादौन में सरकारी एटीएस शामिल होंगे। इन केंद्रों पर वाहन परीक्षण केवल पांच से 10 मिनट में किया जा सकेगा, साथ ही आनलाइन स्लाट बुकिंग जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा में उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया द्वारा नियम-62 के तहत उठाए गए मामले के उत्तर में यह जानकारी दी। पठानिया ने कहा कि जिला कांगड़ा में केवल एक एटीएस होने के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं और यातायात बाधित हो रहा है। मुकेश ने कहा कि भविष्य में इसी माध्यम से गाड़ियों की पासिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य के कार्यों की सराहना करते हुए 100 करोड़ रुपये की

प्रोत्साहन राशि जारी की है।

जल शक्ति विभाग में कुल 325 कनिष्ठ अभियंता के पद खाली हैं। इनमें से 302 पद सिविल, 9 पद मैकेनिकल और 14 पद इलेक्ट्रिकल श्रेणी के हैं। ये रिक्तियां विभाग के मंडल और जोन स्तर सहित अन्य कार्यालयों में हैं। विधायक हरदीप सिंह बावा के प्रश्न के लिखित उत्तर में सरकार ने बताया कि इन पदों को भरने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार ने जानकारी दी कि चार फरवरी और 17 फरवरी को सिविल विंग के 116 पदों को सीधी भर्ती के माध्यम से भरने के लिए भर्ती निदेशालय को अधियाचन (रिक्विजिशन) भेजा गया है। इसके अलावा, सिविल के दो पद भूतपूर्व सैनिकों के आश्रित वर्ग से भरने की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है। कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल) के 14 पदों को सीधी भर्ती के आधार पर भरने का मामला सरकार के विचाराधीन है।

विभागों, निगमों और बोर्ड में करुणामूलक नियुक्तियों के 852 मामले लंबित विभागों, बोर्ड और निगमों में करुणामूलक आधार पर आश्रितों को नौकरी देने के लिए कुल 852 मामले लंबित हैं। इनमें से 98 मामलों को अस्वीकार कर दिया गया है। विधायक सुधीर शर्मा, सत्तपाल सत्ती और पवन काजल के प्रश्न के लिखित उत्तर में सरकार ने यह जानकारी दी।

आठ अक्टूबर, 2025 से करुणामूलकनौकरी के लिए पात्रता तय करने के लिए परिवार की वार्षिक आय सीमा 2.50 लाख से बढ़ाकर 3.00 लाख कर दी गई है। यह नई सीमा भविष्य के मामलों पर लागू होगी। इस बदलाव के बाद, 31 जनवरी तक सरकारी विभागों और बोर्ड निगमों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कुल 852 मामले लंबित हैं।

मुकेश अग्निहोत्री बोले, हरोली व नादौन में सरकारी और चार जगह बन रहे निजी एटीएस द्य केंद्र सरकार ने राज्य को सात सेंटर स्थापित करने के लिए स्वीकृति प्रदान की द्य विधायक केवल सिंह पठानिया ने विधानसभा में नियम-62 में उठाया था सेंटर का मामला

हिमाचल प्रदेश में अभी हैं 24,82,038 वाहन पंजीकृत मुकेश ने कहा कि वर्ष 1990-91 में प्रदेश में कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या 67,103 थी। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में 24,82,038 वाहन पंजीकृत हैं, जिनमें से 21,83,860 निजी और 2,98,178 वाणिज्यिक वाहन हैं। वर्ष 2025 में प्रदेश में 1,923 दुर्घटनाएं हुई, जिनमें 789 लोगों की मृत्यु हुई।

इन दुर्घटनाओं का एक मुख्य कारण अयोग्य और खराब स्थिति वाले वाहन हैं। हिमाचल को एटीएस की स्थापना के लिए केंद्र से 6.75 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है, और भविष्य में 27.73 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मिलने की संभावना है। राज्य में 18 मार्च, 2026 तक एटीएस के माध्यम से 572 वाहन फिट और छह को अनफिट घोषित किया गया है।

ट्रांस हिंडन में सीएम ग्रिड के दूसरे चरण का काम शुरू, छह सड़कें बनेंगी मॉडल

साहिबाबाद, एजेंसी। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट स्कीम (सीएम ग्रिड) योजना के दूसरे चरण के तहत सड़कों के निर्माण और सुंदरीकरण का काम नगर निगम ने शुरू करा दिया है। इसके तह छह सड़कों को माडल बनाने का काम किया जा रहा है। शुरुआत में इन कौशांबी और वैशाली में स्टार्म वाटर ड्रेन, भूमिगत केबल, डिवाइडर का काम तेजी से चल रहा है। अधिकारियों का दावा है कि डेढ़ साल में काम पूरा होने के बाद माडल सड़कें बन जाएंगी। सीएम ग्रिड के दूसरे चरण में करीब 307 करोड़ खर्च किए जाएंगे। निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता देशराज ने बताया कि इंदिरापुरम का काला पत्थर रोड, काला पत्थर रोड से सुशील नैय्यर मार्ग होते हुए कैप्टन मनोज पांडेय मार्ग, कस्तूबरा गांधी मार्ग, सुशील नैय्यर मार्ग से शिप्रा माल व काला पत्थर मार्ग तक, वैशाली सेक्टर-4 व 5 धर्मा मार्ग, हर्षवर्धन रोड और डाबर तिराहा से कौशांबी होते हुए चौधरी चरण सिंह मार्ग तक सड़कों को चमकाया जाएगा। इनमें कौशांबी में काम तेजी से चल रहा है। यहां स्टार्म वाटर ड्रेन का काम और भूमिगत विद्युत लाइन का काम लगभग पूरा हो गया है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि कि वैशाली में भी डिवाइडर के काम कराए जा रहे हैं। निर्माण के बाद इनकी तराई लगातार कराई जा रही है।

मट्ठा पीने से हुई फूड पॉइजनिंग 25 बच्चे बीमार, 6 बच्चों की स्थिति अत्यंत नाजुक

अमरोहा , एजेंसी। जिले में रसोई गैस की किल्लत लगातार बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हसनपुर, गजरौला, मंडी धनौरा, नौगावां सादात, जोया और रजबपुर सहित कई क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति प्रभावित है। हालांकि कुछ स्थानों पर हालात में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन अधिकांश उपभोक्ताओं को अब भी धूप में लंबी कतारों से लगकर जूझना पड़ रहा है। नौगावां सादात में स्थिति सबसे अधिक गंभीर बनी हुई है। यहां स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर पिछले कई दिनों से ताला लटका है। बुधवार को एजेंसी के बाहर सूचना बोर्ड पर साफ लिखा है कि गैस की गाड़ी नहीं आएगी और वितरण नहीं होगा। ऐसे में सुबह से लाइन में लगे उपभोक्ताओं को मायूस होकर वापस लौटना पड़ रहा है। वहीं, जोया इंडेन गैस एजेंसी पर भी अव्यवस्था का आलम है। उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए कई चरणों से गुजरना पड़ रहा है। पहले बुकिंग के लिए लाइन, फिर दो से तीन दिन बाद मिलने वाले डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) या ओटीपी का इंतजार और इसके बाद वाउचर (टोकन) लेने के लिए दोबारा लंबी कतार में लगना पड़ रहा है। इसके बावजूद कई उपभोक्ता सिलिंडर मिलने से वंचित रह जाते हैं। ग्राम रसूलपुर निवासी अरविंद सिंह ने बताया कि 27 मार्च को गैस बुक कराने के बावजूद उन्हें तीन दिन बाद वाउचर के लिए लाइन में लगना पड़ा। वहीं हिमांशु चौधरी का कहना है कि चार दिन पहले बुकिंग करने के बाद भी घंटों इंतजार करना पड़ा। उपभोक्ताओं की शिकायत है कि जब तक वह वाउचर लेकर गैस वाहन तक पहुंचते हैं, तब तक स्टॉक खत्म हो जाता है। हसनपुर, गजरौला और मंडी धनौरा में गैस आपूर्ति कुछ हद तक सामान्य होने लगी है और सिलिंडर मिल भी रहे हैं, लेकिन एजेंसियों के बाहर अब भी लंबी कतारें लगी हुई हैं। मंडी धनौरा में होम डिलीवरी शुरू हो गई है, जबकि अन्य क्षेत्रों के उपभोक्ता भी इस सुविधा की मांग कर रहे हैं।

नए मतदाता बनने के लिए 1.15 लाख ने भरे फॉर्म

गोरखपुर, एजेंसी। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 में नए मतदाता बनने के लिए अब तक जिले में 1.15 लाख मतदाताओं ने फार्म-6 भरा है। नाम, पता और अन्य सुधार के लिए फॉर्म भरने वालों की संख्या 28, 700 है, जबकि 2600 लोगों ने नाम कटवाने के लिए फार्म 7 भरा है। छह फरवरी तक नाम जोड़ने के लिए फार्म-6, संशोधन के लिए फार्म-8 एवं अपात्रों के नाम काटने के लिए फार्म-7 भरे जाएंगे। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, 2.83 लाख बिना मैपिंग वाले मतदाताओं में से 2.14 लाख को नोटिस दिया जा चुका है जबकि सुनवाई सिर्फ 68 हजार की हो हो सकी है। इनमें एईआरओ के सामने प्रस्तुत होकर दस्तावेज जमा करने वाले मतदाताओं की संख्या 30-35 प्रतिशत ही है। इसके लिए बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि नोटिस का जवाब न देने वालों से संपर्क करके दस्तावेज हासिल करें। उधर, पिछले तीन-चार दिनों में फार्म भरने वालों की संख्या बढ़ी है।एडीएम एफआर विनीत कुमार सिंह ने बताया कि मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है कि वे फार्म भरने में लापरवाही न करें। बीएलओ के साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी मदद ली जा रही है।

50 छात्र भेजे गए घर, छात्रों से मिलने पर रोक

गोरखपुर, एजेंसी। पीपीगंज क्षेत्र स्थित पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में भोजन की गुणवत्ता को लेकर विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। हाल ही में मेस के खाने को लेकर छात्रों की नाराजगी सामने आई, जिसके बाद विद्यालय प्रशासन ने अनुशासनहीनता का हवाला देते हुए लगभग 50 छात्रों को एक सप्ताह के लिए घर भेज दिया। वहीं, अन्य छात्रों से मिलने पर रोक लगा दी गई है। सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद कई अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता छात्रों से बात करने और उनकी समस्याओं को जानने के लिए विद्यालय पहुंचे। लेकिन प्रशासन ने किसी को भी छात्रों से मिलने या उनसे बातचीत करने की अनुमति नहीं दी। छात्रों की नाराजगी केवल एक दिन के भोजन तक सीमित नहीं थी। लंबे समय से मेस में मिलने वाले खाने की गुणवत्ता को लेकर वे असंतुष्ट थे। बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनकी बात नहीं सुनी गई, जिससे आक्रोश फूट पड़ा।

आंधी में उड़ी बिजली, बारिश से भीगी फसल

अमेठी, एजेंसी। आधी रात आए आंधी-तूफान के साथ ही बिजली गिरने से जिले भर की बिजली व्यवस्था बेपटरी हो गई। ट्रांसफार्मर फुंकने व लाइन में फॉल्ट से 650 गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कहीं छह तो कहीं 10 घंटे बाद आपूर्ति बहाल हो सकी। वहीं, हल्की बारिश से खेतों में पड़ी कटी फसल भीग गई। इससे किसान परेशान हो उठे। मौसम में आए अचानक बदलाव से मंगलवार आधी रात तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। बादलों की गरज के साथ ही बिजली गिरने से आपूर्ति प्रभावित हुई। गौरीगंज के बरनाटीकर गांव की बिजली रात भर गुल रही। थौरी में दो तो कोछित में एक ट्रांसफार्मर फुंक जाने से रात एक बजे बिजली गुल हो गई।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में बनेगा अत्याधुनिक रिसर्च सेंटर, छात्रों को मिलेगा औद्योगिक अनुभव

नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में जल्द ही अत्याधुनिक रिसर्च सेंटर स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। नोएडा प्राधिकरण एक्सीलेंस सेंटर की तर्ज पर यहां स्टेम सेल या सेमी कंडक्टर चिप में से किसी एक क्षेत्र में रिसर्च सेंटर विकसित करने की योजना बना रहा है। प्राधिकरण की इस पहल से विश्वविद्यालय के स्टूडेंट को अत्याधुनिक लैब, रिसर्च सुविधाएं और इंडस्ट्री एक्सपोजर मिलेगा। साथ ही, उन्हें देश और विदेश की कंपनियों के साथ काम करने का अवसर भी प्राप्त होगा। इससे न केवल स्टूडेंट की स्किल डेवलपमेंट होगी बल्कि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। प्राधिकरण सीईओ कृष्णा करुणेश ने बताया कि प्राधिकरण इस प्रस्ताव को जल्द ही अपनी बोर्ड बैठक में पेश करेगा। बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसके आधार पर आगे निर्माण और संचालन की प्रक्रिया शुरू होगी। असल में यमुना सिटी में तेजी से विकसित हो रहे सेमी कंडक्टर पार्क को देखते हुए यह पहल की जा रही है। इस पार्क में कई बड़ी इंडस्ट्रीज के आने की संभावना है, जिससे क्षेत्र में हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च का माहौल तैयार होगा। ऐसे में स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधन की जरूरत को ध्यान में रखते हुए इस रिसर्च सेंटर की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि यदि सेमी कंडक्टर चिप रिसर्च सेंटर स्थापित होता है तो यह स्टूडेंट को इंडस्ट्री से सीधे जुड़ने का अवसर देगा। वहीं यदि स्टेम सेल रिसर्च सेंटर को प्राथमिकता दी जाती है तो बायोटेक्नोलाजी और मेडिकल साइंस के क्षेत्र में नए शोध और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

रसोई गैस की किल्लत से बढ़ी केरोसिन स्टोव की बिक्री, दिल्ली में लौटे पुराने दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी किल्लत के बीच सरकार ने केरोसिन की बिक्री को हरी झंडी दे दी है, जिसके बाद से केरोसिन स्टोव मांग के साथ उसका उत्पादन बढ़ गया है। सदर बाजार में कई दुकानें केरोसिन स्टोव से सज गई हैं। दुकानदारों के अनुसार, उसकी बिक्री में कई गुना की बिक्री हुई है, क्योंकि इसकी मांग पहले नाम मात्र की थी। इसी तरह, डीजल चूल्हे की मांग भी खूब हो रही है। एलपीजी के व्यावसायिक सिलिंडरों की उपलब्धता में कमी के चलते यह ढाबे, कैटरिंग समेत अन्य में बड़ी राहत दे रहा है। हाल ही में सरकार ने रसोई गैस किल्लत के बीच केरोसीन (मिट्टी के तेल) की बिक्री के नियमों में ढील दी है। उसकी कोशिश है कि नागरिकों को खाना पकाने में एलपीजी की किल्लत के बीच राहत मिले। ऐसे में बाजार की भी स्थिति बदल गई है। सदर बाजार में करीब 20 वर्ष बाद केरोसिन के चूल्हे लौट आए हैं। दिल्ली व्यापार महासंघ के

अध्यक्ष देवराज बावेजा ने बताया कि किसी समय सदर बाजार में स्टोव और लालटेन के ढेर सारे विक्रेता और निर्माता होते थे।

वक्त के साथ रसोई गैस का चलन और उपलब्धता बढ़ी, तो केरोसिन स्टोव का प्रयोग घटता गया। करीब 30 वर्ष पहले तक लालटेन की जगह सोलर लाइट्स, बैटरी लाइट्स और इन्वर्टर ने ले ली। अब, वैश्विक युद्ध की परिस्थितियों के बीच रसोई गैस की किल्लत महसूस हो रही है, तो फिर से केरोसिन स्टोव व डीजल चूल्हा लौट आया है।

वैसे, मांग बढ़ने से इनके दाम भी बढ़ गए हैं। 400 रुपये का स्टोव 1,700 रुपये और आठ-नौ हजार की डीजल स्टोव 30 हजार रुपये तक में बिक रही है।

सदर बाजार की गली लल्लू मिश्रा, कुतुब रोड और गांधी मार्केट में स्टोव और लालटेन के कारोबारी गिनती के है। बहुत से ट्रेडर्स केरोसिन स्टोव का बिजनेस छोड़कर एलपीजी बर्नर के व्यापार में शिफ्ट हो गए। अब किसी के पास स्टोव नहीं है। स्टोव का कबाड़ा तक विक गया है।

अभी पंपों पर उपलब्ध नहीं है केरोसिन

उधर, भले ही केंद्र सरकार ने पंपों से केरोसिन की बिक्री की अनुमति दे दी हो, लेकिन यह अभी पंपों पर उपलब्ध नहीं है। पंप संचालकों के अनुसार, तेल कंपनियों ने इसके लिए कोई प्रविधान नहीं किया है। वैसे, जब यह उपलब्ध होंगे तो उसकी कीमत बाजार मूल्य में 80 से 85 रुपये हो सकती है।

दुकानों पर लौटा स्टोव

इसी तरह, चाय, समोसे की दुकानों पर स्टोव व डीजल वाले चूल्हे लौटने लगे हैं। एक दुकानदार संजय के अनुसार, एलपीजी सिलिंडर नहीं मिल रहा है। ऐसे में डीजल आधारित स्टोव का प्रयोग कर रहे हैं। वैसे, डीजल से जलाना महंगा पड़ रहा है।

ईरान में जंग: पाषाण युग में भेजने की धमकी से लेकर शांति वार्ता तक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राष्ट्र संबोधन में पूर्व समकक्ष बराक ओबामा पर कटाक्ष किया। अमेरिकी राष्ट्रपति कहा, 'उन्होंने ईरान के मामले में गलती की।' ओबामा प्रशासन के दौरान हुए ईरान परमाणु समझौते का जिक्र किए बिना ट्रंप ने कहा कि यह एक गलती थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान इसे सुधारने का उन्हें सम्मान मिला। ट्रंप ने आगे कहा कि समझौते के बाद ईरान हम पर हंस रहा था। ट्रंप का इशारा ईरान के साथ हुए परमाणु समझौते

की ओर था, जबकि वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिशें जारी रखे हुए था। उन्होंने कहा, 'मैंने बराक हुसैन ओबामा के ईरान परमाणु समझौते को खत्म कर दिया। यह एक आपदा थी। ओबामा ने उन्हें 1.7 अरब डॉलर नकद दिए। उनका सम्मान और वफादारी खरीदने की कोशिश में, लेकिन यह काम नहीं आया। उन्होंने हमारे राष्ट्रपति का मजाक उड़ाया और परमाणु बम बनाने के अपने मिशन पर आगे बढ़ गए।

राष्ट्रपति ट्रंप के भाषण की 10 बड़ी बातें: निर्णायक जीत का दावा: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक अहम मोड़ पर पहुंच चुका है। ईरान की सैन्य क्षमता नष्ट उन्होंने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमताएं लगभग खत्म कर दी गई हैं।

ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनने देंगे', ट्रंप का दावा- उनकी सैन्य क्षमता पूरी तरह नष्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के नाम संबोधन में सबसे पहले नासा को और आर्टेमिस-2 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों को बधाई दी है। इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की नौसेना पूरी तरह खत्म हो गई है। इस दौरान उन्होंने फिर दोहराया कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाने दिया जाएगा। ट्रंप का यह संबोधन ऐसे समय पर हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध लगातार गंभीर होता जा रहा है और इसका असर वैश्विक स्तर पर दिखाई देने लगा है। ट्रंप ने कहा कि पिछले चार हफ्तों में, हमारी सेनाओं ने युद्ध के मैदान में तेज, निर्णायक और जबरदस्त जीत हासिल की है, ऐसी जीत, जो बहुत कम लोगों ने पहले कभी देखी होगी।' ट्रंप ने कहा 'उनके मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने की उनकी क्षमता में भारी कमी आई है , रॉकेट लॉन्चर टुकड़े-टुकड़े किए जा रहे हैं; युद्ध के इतिहास में पहले कभी किसी दुश्मन को, महज कुछ ही हफ्तों के भीतर, इतने स्पष्ट और विनाशकारी बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं उठाना पड़ा है।'

हमने ईरान को परमाणु बम बनाने से रोका: अपने बयान में ट्रंप ने दावा किया कि हमने ईरान को परमाणु बम बनाने से रोका है और ईरान को गलत काम की सजा मिली है। ट्रंप ने कहा- ईरान के परमाणु ठिकानों का नष्ट किया जा चुका है। इस दौरान अमेरिकी सेना की तारीफ करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान पर जबरदस्त हमले किए हैं। उन्होंने कहा अभी एक महीना ही हुआ है, जब अमेरिका की सेना ने ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' शुरू किया था, जिसका निशाना दुनिया का नंबर-1 आतंकी समर्थन करने वाला देश ईरान है। इन चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध के मैदान में पूरी तरह से दबदबा बनाने वाली जीत हासिल की है।

यूएस ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति पर से प्रतिबंध हटाए

न्यूयॉर्क में व्यक्ति के घर से 25 बम बरामद

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह फैसला अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओर से लिया गया है। माना जा रहा है कि यह कदम इस बात का संकेत है कि अमेरिका अब रोड्रिगेज को वेनेजुएला की वैध नेता मान रहा है। इससे पहले भी अमेरिका उन्हें कई कूटनीतिक और कानूनी मामलों में देश का प्रमुख मान चुका है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। इसी साल 3 जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को कराकास से गिरफ्तार किया था। दोनों पर ड्रग तस्करी के आरोप लगे हैं और उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से वेनेजुएला की राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। अमेरिका का समर्थन मिलने से रोड्रिगेज की स्थिति मजबूत होगी और देश में स्थिरता लाने की कोशिश तेज हो सकती है। हालांकि, यह कदम अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी नए समीकरण बना सकता है और आने वाले समय में इसके बड़े असर देखने को मिल सकते हैं। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति के अपार्टमेंट से 25 से ज्यादा देसी बम बरामद किए गए हैं। आरोपी की पहचान 65 वर्षीय रेमंड एल्डर्स के रूप में हुई है। पुलिस को इलाके में लगातार धमाकों की आवाज सुनाई देने की शिकायत मिल रही थी, जिसके बाद कार्रवाई की गई। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी के हाथों पर रासायनिक पदार्थ के निशान थे और उसके पास लाइटर भी था। जांच के दौरान घर के बाहर पाइप बम जैसा विस्फोटक मिला। अंदर तलाशी लेने पर कई और खतरनाक उपकरण बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले भी अपराध कर चुका है। अदालत में पेशी के बाद जज ने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया है। अधिकारियों का कहना है कि वह समाज के लिए खतरा है और भाग सकता है। इस घटना के बाद इलाके में डर का माहौल है। पड़ोसियों ने बताया कि पिछले कई हफ्तों से धमाकों जैसी आवाजें आ रही थीं। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

कोलंबिया में सड़क हादसा, 2 की मौत, 19 घायल: कोलंबिया के कुंडिनामार्का इलाके में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है, जिसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना एक टोल प्लाजा के पास हुई, जब एक दूध से भरा ट्रक अचानक नियंत्रण खो बैठा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक के ब्रेक फेल हो गए थे, जिसके कारण वह तेज गति से कई गाड़ियों और एक मोटरसाइकिल से टकरा गया। टक्कर के बाद जोरदार धमाके हुए और कई वाहन आग की चपेट में आ गए। हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग मदद के लिए दौड़ पड़े।

घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस, पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने बताया कि हादसे के कारण सड़क को बंद कर दिया गया है और जांच जारी है। यह हादसा सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि वाहनों की नियमित जांच और सुरक्षा नियमों का पालन बेहद जरूरी है, ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके।

51 साल बाद खुला मर्डर केस, सीरियल किलर टेड बंडी से जुड़ा मामला: अमेरिका के यूटा राज्य में 1974 में हुई एक किशोरी की हत्या का मामला 51 साल बाद सुलझ गया है। नई डीएनए जांच में यह साफ हो गया है कि इस हत्या के पीछे कुख्यात सीरियल किलर टेड बंडी का हाथ था। पीड़िता 17 साल की लॉरा ऐन एम थीं, जो हैलोवीन की रात एक पार्टी से घर लौटते समय अचानक लापता हो गई थीं। करीब एक महीने बाद उनका शव हाईवे के किनारे मिला था, जो बेहद बुरी हालत में था। पुलिस को पहले से ही शक था कि यह हत्या टेड बंडी ने की है, लेकिन पुख्ता सबूत नहीं होने के कारण मामला खुला हुआ था। अब आधुनिक डीएनए तकनीक ने इस मामले को पूरी तरह सुलझा दिया है। टेड बंडी अमेरिका के सबसे खतरनाक सीरियल किलर्स में से एक था, जिसने 1970 के दशक में कई राज्यों में 30 से ज्यादा महिलाओं और लड़कियों की हत्या की थी। उसकी गिरफ्तारी और मुकदमे ने पूरे देश को हिला दिया था। इस खुलासे से पीड़ित परिवार को वर्षों बाद न्याय मिला है और यह दिखाता है कि तकनीक के जरिए पुराने मामलों को भी सुलझाया जा सकता है। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। पुलिस ने इस हमले को कायराना बताया है और कहा है कि ऐसे हमलों से सुरक्षा बलों का मनोबल नहीं टूटेगा। अधिकारियों ने यह भी कहा कि आतंकियों के मंसूबों को नाकाम करने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सिंगापुर में सिंगर जुबीन गर्ग की मौत, पुलिस ने बताई वजह: सिंगापुर पुलिस ने भारतीय गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच पूरी कर ली है और साफ किया है कि इसमें किसी भी तरह की साजिश या गड़बड़ी नहीं थी।

गुणवत्ता, विपणन और सशक्तिकरण पर फोकस, आजीविका मिशन की समीक्षा बैठक संपन्न

'सीधी उपहार पैकेट' से स्थानीय उत्पादों को मिलेगी पहचान, हाट-बाजार से बड़े बाजार तक जोड़ने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आजीविका मिशन के कार्यों को अधिक प्रभावी संगठित और परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री विकास मिश्रा की अध्यक्षता में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में मिशन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आजीविका मिशन का उद्देश्य केवल आय में वृद्धि करना नहीं, बल्कि स्थायी आजीविका के माध्यम से समाज में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन लाना है। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि मिशन को परिवर्तन के सशक्त माध्यम के रूप में कार्य करना चाहिए और इसकी प्रत्येक गतिविधि का सीधा लाभ ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में दिखाई देना चाहिए उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उनके अनुसार बेहतर गुणवत्ता ही उत्पादों की पहचान बनाती है और बाजार में उनकी मांग को बढ़ाती है। इसके साथ ही उन्होंने उत्पादों की आकर्षक पैकेजिंग और प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई ताकि स्थानीय उत्पाद प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी अलग पहचान बना सके कलेक्टर ने विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों को केवल स्थानीय बाजार तक सीमित न रखकर बड़े बाजारों से भी जोड़ा जाए उन्होंने साप्ताहिक हाट-बाजारों में समूहों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जिससे उनकी बिक्री बढ़े और उन्हें उचित मूल्य मिल सके। बैठक में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर भी विशेष बल दिया गया कलेक्टर ने कहा कि कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्धन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर आय के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में उन्होंने कहा कि मिशन से जुड़ी 'दीदियों' को केवल उत्पाद निर्माण तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रशिक्षक के रूप में विकसित किया जाए। इससे वे अन्य महिलाओं को प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा सकेंगी और मिशन का विस्तार भी तेज होगा। उन्होंने कौशल विकास, ई-साक्षरता और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए, ताकि महिलाएं डिजिटल सेवाओं और बैंकिंग प्रणाली का प्रभावी उपयोग कर सकें। नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए कलेक्टर ने 'सीधी उपहार पैकेट' विकसित करने का सुझाव दिया, जिसके तहत जिले में तैयार विभिन्न उत्पादों को एक आकर्षक पैकेज में प्रस्तुत कर एक विशिष्ट पहचान दी जाएगी।

चुरहट स्टेशन पर ट्रेन का ट्रायल सफल ललितपुर रेल परियोजना ने पकड़ी रफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सुबह चुरहट रेलवे स्टेशन पर पहली बार ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया यह पल सीधी जिले के लिए खास रहा क्योंकि यहां के लोग लंबे समय से रेल सुविधा का इंतजार कर रहे थे। ट्रेन के पहुंचते ही इलाके में उत्साह का माहौल बन गया यह ट्रायल ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन परियोजना के तहत किया गया इससे पहले करीब तीन महीने पहले रामपुर नैकिन क्षेत्र में भी ट्रेन का सफल ट्रायल हुआ था अब चुरहट तक ट्रेन पहुंचने से साफ है कि काम तेजी से आगे बढ़ रहा है सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने इसे जिले के लिए बड़ी उपलब्धि बताया उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए कहा कि यह लगातार किए गए प्रयासों का नतीजा है उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही ट्रेन सीधी मुख्य स्टेशन तक भी पहुंच जाएगी। सांसद के अनुसार अगले डेढ़ से दो महीनों में सीधी तक ट्रेन पहुंचने की संभावना है। इसके बाद यात्री ट्रेनों का संचालन भी शुरू किया जा सकता है, जिससे लोगों को आने-जाने में बड़ी सुविधा मिलेगी। करीब पांच साल पहले शुरू हुई इस परियोजना में शुरुआत में काम धीमा था लेकिन अब निर्माण कार्य तेज हो गया है और जहां-जहां ट्रैक तैयार हो रहा है वहां ट्रायल भी किए जा रहे हैं। रेलवे अधिकारी गोपाल सिंह जोधा ने बताया कि चुरहट तक का ट्रायल पूरी तरह सफल रहा। उन्होंने कहा कि पटरियां सुरक्षित हैं और आगे का काम भी तेजी से चल रहा है।

ध्रुव योग और हस्त नक्षत्र में हुई हनुमानजी की पूजन कटोत्सव पर हुए सामूहिक चालीसा पाठ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में 2 अप्रैल को हनुमान जयंती का पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया इस अवसर पर शहर के सभी हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। विशेष रूप से बेलबाग स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र रहा जो अपनी अनूठी स्थिति के लिए प्रसिद्ध है। वीर बजरंगबली के प्रकटोत्सव पर शहर में भक्ति का माहौल देखा गया मंदिरों में सुबह से ही भव्य तैयारियां की गई थीं पंडित विनय पांडे ने बताया कि चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि 1 अप्रैल से शुरू होकर 2 अप्रैल को सुबह 7:11 बजे तक थी, जिसके कारण उदया तिथि के आधार पर हनुमान जयंती 2 अप्रैल को मनाई गई इस दिन ध्रुव योग और हस्त नक्षत्र का विशेष संयोग बना जिसे पूजा-अर्चना के लिए अत्यंत शुभ माना गया पंडित विनय शास्त्री के अनुसार सुबह 6:10 से 7:44 तक शुभ मुहूर्त दोपहर 12:00 से 12:50 तक अभिजीत मुहूर्त और शाम 6:49 से 8:06 तक संध्या पूजन का विशेष महत्व रहा। शहर के पुराना बस स्टैंड स्थित लगभग 200 वर्ष पुराने हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया मंदिर को लाल-पीले फूलों से सजाया गया था जहां दिन भर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। शासकीय कन्या महाविद्यालय के सामने स्थित श्री संकट मोचन धाम में मानस पाठ का आयोजन हुआ जो दोपहर 3 बजे संपन्न हुआ इसके बाद एक विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। बेलबाग स्थित पुराना हनुमान मंदिर अपनी विशेष पहचान के लिए जाना जाता है। यह मंदिर बीच सड़क पर स्थित है जिसके चारों ओर से वाहन गुजरते हैं। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि लगभग 300 वर्षों में यहां कभी कोई दुर्घटना नहीं हुई है।

बरी नदी में बोरी बंधान से जल संरक्षण को मिली नई दिशा, विधायक की अगुवाई में श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल सामने आई है जनपद पंचायत कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत भगवार में विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम की अगुवाई में बरी नदी में बोरी बंधान का कार्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों के संयुक्त श्रमदान से संपन्न किया गया भगवार स्थित मॉडल विद्यालय के समीप बहने वाली बरी नदी में किए गए इस कार्य में स्थानीय लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली विधायक कुंवर सिंह टेकाम स्वयं मौके पर उपस्थित रहे और श्रमदान में भाग लेते हुए लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया इस अवसर पर तहसीलदार कुसमी नारायण सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा, ग्राम पंचायत भगवार की सरपंच चेतना सिंह, बीआरसीसी अंगिरा द्विवेदी, विमल जायसवाल सहित जनपद के अधिकारी-कर्मचारी, इंजीनियर, शिक्षक एवं कोड़ार और भगवार के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बरी नदी में बोरी बंधान कर जल संरक्षण का संदेश दिया।

पति समेत 4 दोषियों को 7 साल की सजा,कोर्ट ने सुनाया फैसला दहेज के लिए पत्नी को किया था प्रताड़ित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चर्चित दहेज हत्या मामले में न्यायालय ने पति, सास-ससुर और देवर सहित चार लोगों को दोषी ठहराते हुए कठोर कारावास की सजा सुनाई है प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सभी आरोपियों को अलग-अलग धाराओं में सजा और जुर्माना लगाया है यह मामला 4 अप्रैल 2023 का है जब अमिलिया थाने में सविता की फांसी लगाकर आत्महत्या की सूचना दी गई थी शुरुआत में यह आत्महत्या का मामला लगा लेकिन पुलिस जांच में दहेज प्रताड़ना की बात सामने आई जांच में पता चला कि सविता की शादी जून 2022 में ग्राम जमुई निवासी जितेंद्र द्विवेदी से हुई थी शादी के बाद से ही उस पर दहेज के लिए दबाव बनाया जा रहा था। आरोपियों द्वारा सविता से दो लाख रुपये लाने की मांग की जाती थी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था सविता ने कई बार अपने मायके में इसकी जानकारी दी थी और घटना से कुछ दिन पहले भी अपने पिता को फोन पर अपनी परेशानी बताई थी मामले की गंभीरता को देखते हुए अमिलिया पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 304बी (दहेज मृत्यु), 498ए (क्रूरता) और दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज किया और चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अदालत में मजबूत साक्ष्य, मिली सजा: न्यायालय में अपर लोक अभियोजक श्रद्धा सिंह ने प्रभावी पैरवी करते हुए मजबूत साक्ष्य पेश किए इसके आधार पर अदालत ने जितेंद्र द्विवेदी (पति), लालजी द्विवेदी (ससुर), मनबसुआ द्विवेदी (सास) और बृजेंद्रनाथ द्विवेदी (देवर) को दोषी करार दिया। अदालत ने धारा 304बी के तहत सभी दोषियों को 7-7 साल का कठोर कारावास सुनाया इसके अलावा धारा 498ए के तहत 3 साल की सजा और जुर्माना तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत 1 साल की सजा और जुर्माना भी लगाया गया है।

जेल में कैदी ने खुद को घायल किया, रेप केस में उमक्रैद की सजा काट रहा आरोपी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिला जेल में सुबह एक कैदी ने खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के अगले ही दिन कैदी ने यह आत्मघाती कदम उठाया जिससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया इसकी जानकारी देर शाम मिली जानकारी के मुताबिक, कैदी का नाम पंकज कटारे है उसे हाल ही में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के एक मामले में कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी फैसले के बाद से ही वह काफी परेशान चल रहा था। सुबह जब जेल का स्टाफ बैरक में चेकिंग के लिए पहुंचा तो पंकज घायल हालत में मिला और उसके गले से खून बह रहा था नुकीली चीज से गले पर किया वार शुरुआती जांच में पता चला है कि पंकज ने किसी नुकीली धातु की चीज से अपने गले पर वार किया था जेल के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उसे संभाला और जिला अस्पताल पहुंचाया डॉक्टर ने समय रहते उसके गले में टांके लगाए जिससे उसकी जान बच गई। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है। अजेल प्रशासन का कहना है कि पंकज लंबे समय से मानसिक तनाव में था उससे मिलने के लिए परिवार का कोई सदस्य नहीं आता था और उसके पास कानूनी मदद की भी कमी थी इसी अकेलेपन और भारी सजा के डर से वह डिप्रेशन में चला गया था। इस घटना के बाद जेल में निगरानी और कड़ी कर दी गई है।

एपीएस विश्वविद्यालय भर्ती प्रक्रिया पर सवाल, अनियमितताओं के गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह (एपीएस) विश्वविद्यालय में अतिथि सहायक प्रोफेसरों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर विवाद खड़ा हो गया है आम आदमी पार्टी के मध्यप्रदेश प्रदेश प्रवक्ता नितेश नारायण ने भर्ती प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार और गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति में नितेश नारायण ने विश्वविद्यालय के कुलपति एवं रजिस्ट्रार पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2026 की भर्ती प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी कर अपात्र अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाया गया है उन्होंने दावा किया कि इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा और चयन के मापदंडों को सार्वजनिक नहीं किया गया। प्रवक्ता के अनुसार, विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस का पालन नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरिट सूची और चयन प्रक्रिया को सार्वजनिक नहीं किया गया जिससे चयन की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। साथ ही योग्य और अनुभवी अभ्यर्थियों को नजरअंदाज कर सिफारिश और कथित 'सेटिंग' के माध्यम से नियुक्तियां किए जाने की बात भी कही गई है। नितेश नारायण ने यह भी आशंका जताई कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक लेन-देन हुआ हो सकता है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है उन्होंने रोस्टर प्रणाली और आरक्षण से जुड़े नियमों की अनदेखी का भी आरोप लगाया जिससे नियमानुसार चयन प्रक्रिया प्रभावित होने की बात कही गई है उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की घटनाएं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं और युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय करती हैं।

मझौली प्रवास में कलेक्टर का सख्त निरीक्षण, प्रशासनिक कसावट कार्यों को लेकर दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा विकासखंड मझौली के दो दिवसीय प्रवास के दौरान विभिन्न शासकीय कार्यालयों संस्थानों एवं विकास कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया गया इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने और प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है तहसील कार्यालय मझौली के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2010 के अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं की जानकारी प्रदर्शित करने हेतु फ्लैक्स लगाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अद्यतन सार्वजनिक वाद सूची तैयार कर नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए जिससे आमजन को आवश्यक जानकारी आसानी से मिल सके। मड़वास अस्पताल के निरीक्षण के दौरान डॉ. गुरु प्रसाद द्विवेदी की अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य जांचों की जानकारी हिंदी में प्रदर्शित करने रोगी कल्याण समिति की बैठक एक सप्ताह के भीतर आयोजित करने तथा सायंकालीन ओपीडी को नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश भी दिए। ग्राम दादर में 'मां की बगिया' के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वन विभाग के समन्वय से अधिक से अधिक फलदार पौधे लगाने के निर्देश दिए। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डांगा में प्रवेश उत्सव के दौरान प्राप्त 33 आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागों को एक सप्ताह के भीतर कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत करमाई में आयोजित सायंकालीन चौपाल में विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकानों में अधिकारियों के संपर्क नंबर प्रदर्शित करने और नापतौल मशीनों का सत्यापन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए उन्होंने सभी विभागों को आमजन तक योजनाओं की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचाने पर बल दिया प्रवास के दूसरे दिन नगर परिषद मझौली क्षेत्र में पुरैनिहा तालाब, महादेवन तालाब, सांदीपनि विद्यालय तथा बाईपास सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा बाईपास सड़क का कार्य 31 मई 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नगर निगम बजट बैठक में 100 करोड़ की कटौती

मोरवा विस्थापन और अधूरे विकास कार्यों पर उठे सवाल; पार्षदों विधायकों ने जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम की वर्ष 2026-27 के आम बजट को लेकर आयोजित बैठक काफी हंगामेदार रही। सभापति देवेश पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में बजट में की गई करीब 100 करोड़ रुपए की कटौती मुख्य मुद्दा बनी। महापौर रानी अग्रवाल और निगमायुक्त की मौजूदगी में विपक्षी ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष के पार्षदों ने भी विकास कार्यों की धीमी गति पर परिषद को कटघरे में खड़ा किया।

बजट में 100 करोड़ की कटौती पर फंसा पेंच: एमआईसी सदस्य शशि पुष्पराज सिंह द्वारा पेश किए गए बजट प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सभापति देवेश पाण्डेय ने तीखा सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि पिछले 350 करोड़ रुपए के बजट को घटाकर इस बार 250 करोड़ रुपए क्यों किया गया इस भारी कटौती पर महापौर और एमआईसी सदस्य कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित आय 348.05 करोड़ और व्यय 305.60 करोड़ रुपये प्रस्तावित किया गया है।

अधूरे निर्माण और लंबित फाइलों पर पार्षदों का आक्रोश: वार्ड 40 की पार्षद सीमा जायसवाल ने आरोप लगाया कि डेढ़ साल पहले धर्मशाला ढहा दी गई थी लेकिन अब तक उसका पुनर्निर्माण शुरू नहीं हुआ। इसके साथ ही पुराने अस्पताल की जगह प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और गल्ला मंडी विस्तार जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की फाइलें लंबे समय से अटकी होने पर भी रोष जताया गया।

मोरवा विस्थापन की कार्ययोजना पर सवाल: पार्षद शेखर सिंह ने मोरवा विस्थापन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि निगम के 8 वार्ड इससे सीधे प्रभावित होने वाले हैं लेकिन प्रशासन के पास अब तक विस्थापन को लेकर कोई ठोस या स्पष्ट कार्ययोजना नहीं है उन्होंने विस्थापित होने वाले परिवारों के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की। बैठक में मौजूद विधायक रामनिवास शाह ने स्पष्ट कहा कि विकास के लिए बड़ा बजट होना अनिवार्य है। उन्होंने ठेकेदारों की लापरवाही और अधूरे कार्यों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए बजट राशि बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारी हंगामे और तीखी बहस के बीच अंततः पार्षदों ने बजट को मंजूरी दे दी जिसके बाद बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

रुपए का गंभीर अवमूल्यन

संपादकीय

एक अमरीकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 95 तक पहुंच चुकी है। अर्थात् हम 95 रुपए खर्च कर एक डॉलर प्राप्त कर सकते हैं अथवा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर सकते हैं। 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात-बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013-14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था। लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10,640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ेगा। बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 117 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुके हैं। भाजपा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार निशाना बनाती थी, जबकि उन्होंने ही देश को आर्थिक मंदी से बचाया था। तब भाजपा अर्थव्यवस्था की कमजोरी और 'रुपए' के अवमूल्यन पर चिंताएं जताती थी। मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दौर में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। 'रुपए' की स्थिति को लेकर यूपीए और भाजपा-एनडीए सरकारों की तुलना करना बेहद तार्किक है।

तब मई, 2004 में मनमोहन सरकार के शुरुआती दिनों में एक डॉलर की तुलना में 'रुपया' 45.37 पर था। मई, 2014 में यूपीए कालखंड की समाप्ति के वक्त डॉलर की कीमत 58.58 रुपए थी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो 'रुपए' का अवमूल्यन लगातार क्यों होता रहा है? डॉलर 58 रुपए से उछल कर 90-91 रुपए तक कैसे पहुंच गया? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक दखल न दे, तो एक डॉलर 110 रुपए में पड़ सकता है। ईरान युद्ध की शुरुआत के एक दिन पहले, 27 फरवरी, तक 'रुपया' 90.98 तक गिरा था, लेकिन 31 मार्च, 2026 को 95 तक गिर गया। 100 रुपए की 'चरम स्थिति' कितनी दूर है? बेशक मोदी कालखंड में 'रुपए' का अवमूल्यन ऐतिहासिक रहा है और भारतीय मुद्रा के लिए यह असंतुलित और गंभीर स्थिति है।

नालंदा के शीतला मंदिर की भगदड़ त्रासदी भीड़ प्रबंधन की विफलता और व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न

कांतिलाल मांडोत

बिहार के नालंदा जिले में स्थित शीतला मंदिर नालंदा में मंगलवार को घटी भगदड़ की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। धार्मिक आस्था और श्रद्धा के बीच अचानक मची अफरा तफरी ने आठ महिलाओं की जान ले ली और कई अन्य श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं है बल्कि भीड़ प्रबंधन सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही की एक बड़ी विफलता के रूप में सामने आई है।

मंदिर परिसर में उस दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार लगभग पंद्रह से बीस हजार लोग मंदिर और मेले के क्षेत्र में मौजूद थे। धार्मिक आयोजन के चलते बड़ी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग दर्शन के लिए पहुंचे थे। भीड़ का दबाव इतना अधिक था कि एक समय पर स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई और भगदड़ मच गई। देखते ही देखते लोग एक दूसरे के ऊपर गिरने लगे और चीख पुकार का माहौल बन गया। इस अफरा तफरी में आठ महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई।

घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया और मंदिर तथा मेला क्षेत्र को बंद कर दिया गया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना पर देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

यह पहली बार नहीं है जब किसी धार्मिक स्थल पर इस तरह की घटना हुई हो। पिछले पांच वर्षों में देश के विभिन्न मंदिरों में भगदड़ की कई घटनाएं सामने आई हैं जिन्होंने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। वर्ष 2021 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भीड़ अधिक होने के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बनी थी जिसमें कई लोग घायल हुए थे। वर्ष 2022 में जम्मू कश्मीर के वैष्णो देवी मंदिर में नए साल के मौके पर भगदड़ मच गई थी जिसमें कई श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। यह घटना राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी थी और इसके बाद भीड़ नियंत्रण के नए दिशा निर्देश जारी किए गए थे।

वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश के महाकालेश्वर मंदिर में सावन के दौरान अत्यधिक भीड़ के कारण अफरा तफरी की स्थिति उत्पन्न हुई थी। हालांकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया था लेकिन यह स्पष्ट हो गया था कि व्यवस्थाएं अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में भी भारी भीड़ के कारण दबाव की स्थिति बनी थी और कई श्रद्धालु घायल हो गए थे। इन सभी घटनाओं में एक समानता रही है और वह है भीड़ का सही तरीके से प्रबंधन न होना।

नालंदा की घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धार्मिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण केवल कागजी योजना तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उसे जमीन पर प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। जब लाखों श्रद्धालु एक साथ किसी स्थान पर पहुंचते हैं तो वहां सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात करना बैरिकेडिंग की उचित व्यवस्था करना और भीड़ के प्रवेश और निकास के लिए अलग अलग मार्ग सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

स्थानीय लोगों ने भी इस घटना को लेकर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे और सुरक्षा व्यवस्था भी कमजोर थी। यदि समय रहते उचित कदम उठाए जाते तो इस तरह की त्रासदी को टाला जा सकता था। यह आरोप केवल नालंदा तक सीमित नहीं है बल्कि हर उस स्थान पर लागू होता है जहां इस तरह की घटनाएं होती हैं।

धार्मिक आस्था लोगों को एक स्थान पर एकत्रित करती है और यह हमारे समाज की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन जब यही आस्था अव्यवस्था में बदल जाती है तो वह जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रशासन और आयोजन समिति दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं।

पुरुषार्थ जगाओ, व्यसन मिटाओ-जीवन का सच्चा उत्थान आत्मसंयम और परिश्रम में छिपा है

कांतिलाल मांडोत

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और अमूल्य है। यह केवल भोग-विलास या क्षणिक सुखों के लिए नहीं मिला, बल्कि आत्मोन्नति, समाज कल्याण और परम शांति की प्राप्ति के लिए प्राप्त हुआ है। फिर भी आज का मनुष्य अपने वास्तविक लक्ष्य से भटकता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है व्यसन। व्यसन केवल एक आदत नहीं है, यह एक ऐसा जाल है जो धीरे-धीरे मनुष्य की चेतना, शक्ति और अस्तित्व को निगल जाता है। इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को ऊँचाइयों तक पहुँचाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुरुषार्थ को जगाएं और व्यसनों का त्याग करें।

इतिहास गवाह है कि जिसने पुरुषार्थ को अपनाया, उसने असंभव को संभव कर दिखाया। एक साधारण व्यक्ति भी अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से महान बन सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी हैं। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अपने कार्य के प्रति जो निष्ठा दिखाई, वह उनके पुरुषार्थ का परिचायक था। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य अपने पुरुषार्थ को नहीं छोड़ता, तो सफलता स्वयं उसके चरण चूमती है।

इसके विपरीत जो व्यक्ति व्यसनों के अधीन हो जाता है, उसका जीवन धीरे-धीरे अंधकार में डूबने लगता है। व्यसन मनुष्य की बुद्धि को भ्रष्ट करता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता को समाप्त करता है और उसे गलत निर्णयों की ओर धकेलता है। शराब, तंबाकू, नशा, जुआ और अन्य दुर्व्यसन केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मा को भी कमजोर कर देते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि व्यसन मृत्यु का द्वार है, क्योंकि यह मनुष्य को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है।

आज समाज में व्यसनों का विस्तार एक भयावह रूप ले चुका है। हर गली, हर मोड़ पर व्यसनों का बाजार सजा हुआ है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इसकी चपेट में आ रही है। शुरुआत में यह केवल एक प्रयोग के रूप में शुरू होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाता है और फिर व्यक्ति इसके बिना जी नहीं पाता। वह अपनी इच्छाओं का दास बन जाता है और उसका आत्मबल समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि व्यसन को आत्मा के लिए घातक और जानलेवा कहा गया है।

व्यसन का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, यह उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को प्रभावित करता है। एक व्यसनी व्यक्ति अपने कर्तव्यों को भूल जाता है, अपने परिवार की जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेता है और आर्थिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। इससे परिवार में तनाव, कलह और दुःख का वातावरण बनता है। समाज में अपराध बढ़ते हैं और राष्ट्र की प्रगति बाधित होती है। इस प्रकार व्यसन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय समस्या भी है।

इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को इन सभी बुराइयों से बचाती है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच भी है। जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा पुरुषार्थी होता है। वह कठिनाइयों से नहीं डरता, बल्कि उनका सामना करता है और उन्हें अवसर में बदल देता है।

भगवान महावीर ने भी पुरुषार्थ और आत्मसंयम पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर की शक्तियों को पहचानना चाहिए और उन्हें सही दिशा में लगाना चाहिए। उन्होंने व्यसनों से दूर रहने और संयमित जीवन जीने का संदेश दिया। उनके अनुसार सच्ची स्वतंत्रता वही है, जो मनुष्य को अपने मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने से मिलती है।

आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में इस सत्य को समझें और अपनाएं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि व्यसन हमें केवल विनाश की ओर ले जाते हैं, जबकि पुरुषार्थ हमें विकास और उन्नति की ओर ले जाता है। हमें अपने जीवन में ऐसे संकल्प लेने होंगे, जो हमें व्यसनों से दूर रखें और पुरुषार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ाएं।

व्यसन छोड़ना आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि व्यसन हमारे लिए हानिकारक है और हमें इसे छोड़ना ही होगा। इसके बाद हमें अपने जीवन में सकारात्मक आदतों को शामिल करना चाहिए, जैसे नियमित व्यायाम, ध्यान, अध्ययन और अच्छे लोगों का संग। यह सब हमें व्यसन से दूर रखने में सहायक होते हैं।

साथ ही समाज और सरकार को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे। व्यसन मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाना, नशा विरोधी अभियान चलाना और युवाओं को सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका व्यक्ति की स्वयं की होती है। जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं जागेगा, तब तक कोई भी प्रयास सफल नहीं हो सकता।

अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन का वास्तविक आनंद पुरुषार्थ में है, व्यसन में नहीं। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है, उसे व्यसनों का त्याग करके पुरुषार्थ का मार्ग अपनाना होगा। यही मार्ग उसे सच्ची सफलता, शांति और संतोष प्रदान करेगा।

इसलिए आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन से सभी प्रकार के व्यसनों को दूर करेंगे और पुरुषार्थ को अपनाकर अपने जीवन को महान बनाएंगे। यही हमारे जीवन की सच्ची दिशा और उद्देश्य होना चाहिए। (103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने

का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दर्शाता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा

17 वर्षीय अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के गांव खजूरी अकबरपुर की यात्रा

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद में एक गांव है खजूरी अकबरपुर जहां की मिटटी शहीद भूमि कहलाती है।जिस उम्र में युवा अपनी पढ़ाई कर बेहतर भविष्य के सपने बुनते है उसी 17 वर्ष की उम्र में इसी गांव के छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने भारत मां को आजाद कराने के लिए हरिद्वार में सीने पर गोलियां खाकर देशप्रेम व बहादुरी का एक इतिहास लिखा था।इस गांव के जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय के कुछ बच्चों को प्रकाशवती मदनलाल शर्मा छात्र प्रतिभा सम्मान प्रदान करने के लिए उत्तराखंड के राज्य मंत्री स्तर श्यामवीर सैनी,उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा निदेशक रहे डॉ आनन्द भारद्वाज मेरे साथ 30 मार्च को शहीद भूमि को नमन करने गए।

डॉ. श्रीगोपालनारसन

जिन्होंने जगदीश वत्स को शहीद भगत सिंह के समतुल्य बताया।17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स,जिन्होंने सन 1942 में हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज में पढ़ते हुए आजादी का बिगुल बजाया था। कालेज के छात्रों का नेतृत्व करते हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स ने तिरंगे झण्डे हाथ में लेकर अंग्रेज पुलिस को चुनौती देने का साहस किया था। 13 अगस्त सन 1942 की रात्रि में छात्रावास में हुई छात्रो की एक बैठक में 14 अगस्त को तिरंगे फैहराने के लिए सडको पर निकलने और भारत माता की जय,इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाने के लिए, लिए गए निर्णय को अमलीजामा पहनाते हुए छात्रों का दल 14 अगस्त की सवेरे ही हरिद्वार की सडको पर निकल पडा था। पुलिस की छावनी के बीच भी जब छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने सुभाष धाट पर पहला तिरंगा फैहराया तो अंग्रेज पुलिस की एक गोली उनके बाजू को चीरती हुई निकल गई । धायल जगदीश ने धोती को फाडकर धाव पर बांध लिया और फिर दुसरा तिरंगा फैहराने के लिए डाकधर की तरफ दौड लगा दी। पुलिस की गोली चलने से बाकी छात्र तो तितर बितर हो गए थे ,लेकिन 17 वर्षीय

जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दुसरा तिरंगा डाकधर पर फैहरा दिया। वहां भी पुलिस ने गोली चलाई जो जगदीश के पैर में लगी। जगदीश ने फिर पटटी स्टेशन पर पहुंचकर पाइप के रास्ते उपर चढकर तीसरा तिरंगा फैहरा दिया। जैसे ही जगदीश तिरंगा फैहराकर नीचे उतरा तो राजकीय रेलवे पुलिस के इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव ने उन्हे धेर लिया। जगदीश ने तांव में आकर एक थप्पड इन्सपैक्टर श्रीवास्तव को जड़दिया, जिससे वह नीचे गिर पडा। इन्सपैक्टर ने नीचे पडे पडे ही एक गोली जगदीश को मार दी जो उनके सीने में लगी। तीसरी गोली लगते ही जगदीश मुर्छित हो गया। जिन्हे इलाज के लिए देहरादून सेना अस्पताल ले जाया गया। बताते है कि वहां जगदीश को एक बार होश आया था और उनसे माफी मांगने को कहा गया था परन्तु माफी न मांगने पर उन्हे कथित रूप में जहर का इंजेक्शन देकर उनकी हत्या कर दी गई।

सहारनपुर जिले के ग्राम खजूरी अकबरपुर निवासी जगदीश वत्स का शव भी पुलिस ने उनके पिता पंडित कदम सिंह शर्मा को नही दिया था।उल्टे दुस्साहसी अंग्रेजो ने जगदीश वत्स को गोली मारने वाले पुलिस इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव को पुलिस मैडल प्रदान किया था। लेकिन देश आजाद होने पर प्रथम प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जगदीश वत्स की राष्ट्रभक्ति व वीरता की प्रंशसा करते हुए एक विजय ट्राफी वत्स परिवार को दी थी। जो धरोहर के रूप में आज भी सुरक्षित है। जगदीश प्रसाद वत्स की स्मृति में उनके गांव खजूरी अकबरपुर में एक जूनियर हाई स्कूल की स्थापना सन 1966 में उनके नाम पर की गई थी।जो आज भी जूनियर हाई स्कूल ही है।वही उनकी स्मृति में एक अस्पताल है ,जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से आगे नही बढ़ पाया,वही उनके नाम पर एक सडक है,जो जीर्णशीर्ण हालत में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। अलबत्ता हरिद्वार के भल्ला पार्क में शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा लगाई गई है । ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज में भी उनकी प्रतिमा स्थापित की हुई है। इसी कॉलेज में प्रतिवर्ष उनकी याद में एक वालीबाल टूर्नामेन्ट कराया जाता है।अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के परिवार में किसी भी आश्रित ने सरकार से स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी पेंशन या अन्य कोई सम्मान या सरकारी सहायता आज तक स्वीकार नही की।जबकि जगदीश की शहादत के एक वर्ष के अन्दर उनके माता पिता की मृत्यु हो गई थी और घर में परिवार के नाम पर शहीद जगदीश की 15 वर्षीय छोटी बहन प्रकाशवती,13 वर्षीय छोटी बहन चन्द्रकला,10 वर्षीय छोटी बहन सुरेश वती और मात्र 5 वर्षीय छोटा भाई सुरेश दत्त वत्स रह गए थे। जिनके पालन पोषण की जिम्मेदारी 15 वर्षीय बहन प्रकाश वती पर आन पडी थी तो भी सरकारी सहायता को ठुकरा देना आजादी के बाद की एक बडी मिशाल है।फिर भी सरकार चाहती तो शहीद जगदीश वत्स की स्मृति में उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर अंतर्गत ग्राम खजूरी अकबरपुर में पचास वर्षों से चल रहे जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय को जूनियर हाईस्कूल से पहले हाई स्कूल और फिर इंटर किया जा सकता है।सही मायनों में जनपद सहारनपुर व हरिद्वार का यह एक मात्र शहीद जगदीश प्रसाद वत्स मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान का हकदार है।क्या उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की सरकारें इस बाबत पहल करेगी?या फिर देश के लिए यह शहादत यूं ही इतिहास के पन्नो में भूला दी जाएगी।

(लेखक अमर शहीद जगदीश प्रसाद

जिला स्तरीय पुस्तक मेला शुरू, छात्रों को राहत कॉपी पर 50 और किताबों पर 5 फीसदी मिल रही छूट

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 की शुरुआत के दूसरे दिन जिला स्तरीय पुस्तक शुरू हुआ। तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ एसएनजी स्कूल में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव ने फीता काटकर किया। पुस्तक मेले में चार केवल कॉपियां और चार कॉपी, पुस्तक की दुकानें लगी है इसके अलावा तीन स्कूल ड्रेस और बैग की दुकानें भी मेले में लगी हैं। मेले में अभिभावक और विद्यार्थियों को कॉपी पर 40 से 50 प्रतिशत और बुक पर 5 फीसदी की छूट मिल रही है बुक और कॉपियों पर डिस्काउंट मिलने से कई अभिभावक खुश है कुछ का कहना है कि 5 फीसदी छूट तो दुकान से ऐसे ही मिल जाती है। 10-15 फीसदी तक डिस्काउंट देना चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी नारायण प्रजापति ने बताया, एक ही स्थान पर बुक्स, स्टेशनरी, बैग और स्कूल यूनिफॉर्म पर मिल सकें इसलिए शासन ने पुस्तक मेला लगाने के आदेश जारी किए हैं इसी के पालन में नर्मदापुरम में 2 से 4 अप्रैल तक जिला स्तरीय और फिर हर तहसील में भी पुस्तक मेले का आयोजन होगा अभिभावक मेले में पहुंचकर पुस्तकों की खरीदी कर एवं उपलब्ध आकर्षक डिस्काउंट का लाभ लें मेले में बुक पर मिली 5 प्रतिशत की छूट नर्मदापुरम निवासी सोनम चौहान ने बताया मेले में बच्चे की सभी बुक, कॉपी मिल गई। अभिभावक के सामने पूरी बुक मिलना भी चुनौती होता है। बुक्स पर 5 प्रतिशत और कॉपी पर 35 फीसदी डिस्काउंट दिया गया हमें काफी अच्छा लगा यहां। अभिभावक और माता-पिता भी आकर बुक्स पर मिलने वाली छूट का फायदा ले सकते हैं। छात्रा गौरी राजपूत ने बताया मुझे कॉपियों पर 50 प्रतिशत का डिस्काउंट मिला है। शबनम खान ने बताया कि स्टेशनरी दुकान पर बुक जिस रेट में होती, उतने में ही देते हैं। वहां डिस्काउंट नहीं मिलता। यहां बुक्स और कॉपी दोनों में मिल रहा है।

सियान जतन दिवस पर लायंस क्लब ने वृद्धजनों को दी सहारा, छड़ी वितरण से बढ़ाया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, लेदरी (निप्र)। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेदरी में 'सियान जतन दिवस' के अवसर पर लायंस क्लब प्राइड मनेंद्रगढ़ द्वारा एक सराहनीय सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 65 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वृद्धजनों को सहारा प्रदान करने और उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से छड़ी का वितरण किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, हितग्राहियों एवं क्लब सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करते हुए उन्हें छड़ी भेंट की और उनके स्वस्थ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन की कामना की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि समाज के वरिष्ठ नागरिक हमारे अनुभव, संस्कार और मार्गदर्शन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उनकी सेवा एवं सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है बढ़ती आयु के साथ आने वाली शारीरिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई जिससे बुजुर्ग आत्मनिर्भर बन सकें और अपने दैनिक कार्यों को सहजता से कर सकें। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि 102 वर्षीय सुखवारिया जी को भी छड़ी प्रदान कर सम्मानित किया गया इस दौरान उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लायंस क्लब के प्रति आभार जताया। अन्य लाभार्थियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे बेहद उपयोगी बताया। इस आयोजन के माध्यम से समाज में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ने यह भी दर्शाया कि सामुदायिक प्रयासों से समाज के कमजोर वर्गों की सहायता कर उन्हें सशक्त बनाया जा सकता है।

जनसंपर्क निधि से जरूरतमंदों को बड़ी राहत, 14 हितग्राहियों को 1.25 लाख की सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में जनसंपर्क निधि के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सराहनीय पहल की गई है कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के निर्देशानुसार यह आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मंत्रियों के जनसंपर्क दौरे के दौरान प्राप्त आवेदनों के आधार पर मांग संख्या 01-लेखा शीर्ष 2013 के तहत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-01 (भरतपुर-सोनहत) एवं 02 (मनेन्द्रगढ़) के लिए कुल 20 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई थी इसी क्रम में लोकसभा सांसद को शिक्षा के लिए 15,000 रुपये अभिमन्यु दुबे एवं मोहन विवेकर को उपचार के लिए 15,000-15,000 रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है इसके अतिरिक्त कटकोना निवासी अनिल कुमार करौंधा निवासी दिलीप सिंह सलका निवासी शिवप्रसाद साहू तथा शिवपुर निवासी राम कंवर को 5,000-5,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इसी क्रम में धवलपुर निवासी राहुल कुमार को 5,000 रुपये सकड़ा निवासी सुरेन्द्र प्रधान को 10,000 रुपये, पेंड्री निवासी विरेंद्र सिंह को 10,000 रुपये, देवाडाड़ निवासी विजय साहू को 10,000 रुपये तथा सलका निवासी जेवेंद्र कुमार को 10,000 रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है वहीं चिरमिरी निवासी चमेलिया देवी एवं मानकुंवर को 7,500-7,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। यह समस्त सहायता राशि जनप्रतिनिधियों के जनसंपर्क दौरे के दौरान प्राप्त आवेदनों के परीक्षण के बाद स्वीकृत की गई है। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी हितग्राहियों को स्वीकृत राशि उनके नाम से चेक के माध्यम से प्रदान की जाएगी जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन की यह पहल सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने के साथ-साथ जरूरतमंदों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है।

रोक के बावजूद नरवाई जला रहे किसान, गेहूं की खड़ी फसल के साथ पेड़ भी जला

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में प्रशासन द्वारा नरवाई जलाने पर लगाएं प्रतिबंध का कोई असर नहीं हो रहा है रोजाना किसान खेतों में नरवाई जला रहे स्थिति यह है कि पिपरिया, इटारसी, हरदा रोड के हाईवे पर लोगों का गाड़ी चलाना मुश्किल हो रहा है हाईवे के साथ ही यह धुआं अब नर्मदापुरम शहर के मालाखेड़ी, कुमामड़ी रोड की कॉलोनियों तक पहुंच रहा जिससे आंखों से जलन हो रही प्रशासन द्वारा रोक लगाने के साथ ही एफआईआर भी कराई जा रही बावजूद कई किसान नरवाई जलाने से नहीं चूक रहे नरवाई की आग खड़ी फसल तक पहुंच रही नर्मदापुरम से इटारसी और तवा पुल के बीच में कई खेतों की नरवाई जलाई गई पांजरा गांव की ओर से लगी नरवाई की आग फैलते हुए निमसाड़ियां होते हुए दिवलाखेड़ी के खेतों तक फैल गई जिससे दिवलाखेड़ी की कमला बाई के दो एकड़ खेत में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गया। मौके पर दमकल गाड़ी को बुलाया गया ग्रामीण तहसीलदार दिव्यांशु नामदेव भी पटवारी, सचिव को लेकर मौके पर पहुंचे दो घंटे से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। शाम 6.45 बजे तक आग पूरी तक से बुझाई जा नहीं सकीं। तहसीलदार दिव्यांशु नामदेव ने बताया पांजरा गांव के खेतों की तरफ से नरवाई जलते हुए आई। आग बुझाने का प्रयास जारी है।

हनुमान-जन्मोत्सव... में मुस्लिम युवाओं ने लगाए जय श्रीराम के नारे

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ (निप्र)। आज हनुमान जयंती है। पूरे छत्तीसगढ़ में हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। रायपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, बिलासपुर समेत कई जिलों में श्री संकट मोचन वीर हनुमान मंदिरों में पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम किए जा रहे। साथ ही मंदिरों के बाहर दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी हुई है शहर में जगह-जगह भंडारा चल रहा है। कई जगह सुबह से प्रसाद बांटे जा रहे मुस्लिम युवाओं ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर भिलाई के घड़ी चौक पर शरबत और खिचड़ी बांटी इस दौरान जय श्री राम के नारे भी लगाए भगवा गमछा भी अपने गले पर टंगा और हिंदू मुस्लिम एकता का संदेश दिया।

राशनकार्ड हितग्राहियों के लिए KYC अनिवार्य, समय-सीमा में प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत सभी राशनकार्डधारी हितग्राहियों के लिए e-KYC (इलेक्ट्रॉनिक केवाईसी) प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया गया है शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। संचालनालय, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, नया रायपुर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार जिले के सभी राशनकार्डधारी हितग्राहियों का e-KYC कराना आवश्यक है। हालांकि इस प्रक्रिया से 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को छूट प्रदान की गई है शेष सभी हितग्राहियों के लिए यह प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा। जिला प्रशासन द्वारा इस अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है विभिन्न माध्यमों से लोगों को e-KYC के महत्व और इसकी अनिवार्यता के बारे में जानकारी दी जा रही है प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस कार्य को गंभीरता से लें और समय-सीमा के भीतर अपनी e-KYC प्रक्रिया पूर्ण कराएं। e-KYC की सुविधा को आसान और सुलभ बनाने के लिए हितग्राहियों को कई विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं हितग्राही अपने नजदीकी शासकीय उचित मूल्य दुकान, यानी राशन दुकान में जाकर आसानी से e-KYC करा सकते हैं इसके अलावा 'मेरा e-KYC' मोबाइल एप के माध्यम से भी यह प्रक्रिया घर बैठे पूरी की जा सकती है प्रक्रिया के दौरान हितग्राहियों को आधार से लिंक मोबाइल नंबर या अन्य आवश्यक पहचान दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य होगा। इससे सत्यापन प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकेगा और किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सकेगाप्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर e-KYC प्रक्रिया पूर्ण नहीं की जाती है तो सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत मिलने वाले राशन और अन्य सरकारी लाभों के वितरण में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसलिए सभी हितग्राहियों को समय रहते यह कार्य पूरा करने की सलाह दी गई है जिला प्रशासन ने नागरिकों से यह भी आग्रह किया है कि वे स्वयं e-KYC कराने के साथ-साथ अपने परिवार, पड़ोसियों और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया से वंचित न रह जाए।

सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष ने एसपी से शिकायत,डायमंड रिंग बायबैक विवाद

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। अग्रसेन चौक स्थित पी.सी. ज्वैलर्स शोरूम विवादों में घिर गया है। सराफा एसोसिएशन ने शोरूम पर ग्राहकों को ठगने और आभूषणों की वापसी (बायबैक) पर वर्तमान बाजार दर के अनुसार भुगतान न करने का आरोप लगाया है एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने इस संबंध में एसएसपी को एक औपचारिक शिकायत पत्र सौंपा है और कार्रवाई की मांग की है। यह मामला खरसिया निवासी पारस पटेल से जुड़ा है। उन्होंने 11 जून 2018 को बिलासपुर के पी.सी. ज्वैलर्स से 85,799 रुपए में एक हीरा जड़ित डायमंड रिंग खरीदी थी बिल के अनुसार रिंग में 5.620 ग्राम (14 कैरेट सोना) और 0.46 सेंट हीरा था पारस पटेल उसी रिंग को वर्तमान दर पर वापस बेचने शोरूम पहुंचे तो उन्हें खरीद मूल्य से भी कम राशि की पेशकश की गई एसोसिएशन का आरोप है कि पिछले आठ वर्षों में सोने की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है जिसके कारण मेकिंग चार्ज काटने के बाद भी अंगूठी की वर्तमान कीमत कम से कम 1,17,299 रुपए होनी चाहिए। हालांकि शोरूम प्रबंधन इस राशि का भुगतान करने को तैयार नहीं है।

जनसंपर्क निधि से सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा, 79 हितग्राहियों को 8.75 लाख की सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में जनसंपर्क निधि के प्रभावी उपयोग के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनहितकारी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के निर्देशानुसार यह सहायता स्वीकृत की गई है जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत मंत्रियों के जनसंपर्क दौरे के दौरान प्राप्त मांगों और आवेदनों के आधार पर यह निर्णय लिया गया है विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-01 (भरतपुर-सोनहत) के लिए प्राप्त 10 लाख रुपये की जनसंपर्क निधि में से कुल 8,75,000 रुपये की राशि 79 हितग्राहियों को स्वीकृत की गई है। यह स्वीकृति क्षेत्रीय विधायक रेणुका सिंह की अनुशंसा पर प्रदान की गई है यह सहायता विशेष रूप से जिले की पारंपरिक सांस्कृतिक गतिविधियों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से दी जा रही है इसके अंतर्गत रामायण मंडली, करमा दल, सुवा दल जैसे लोक सांस्कृतिक समूहों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा जिससे उनकी गतिविधियों को मजबूती मिलेगी और स्थानीय परंपराओं का संरक्षण सुनिश्चित हो सकेगा जिला प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार की पहल न केवल सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में सहायक होती है बल्कि समाज में सामुदायिक भावना और सहभागिता को भी बढ़ावा देती है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सक्रिय इन सांस्कृतिक दलों के माध्यम से लोक परंपराओं का प्रचार-प्रसार होता है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है। इसके साथ ही इस निधि के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों को भी आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है जिससे वे अपनी आवश्यक जरूरतों को पूरा कर सकें इस प्रकार यह योजना सामाजिक सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। जारी आदेश के अनुसार स्वीकृत राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मांग संख्या 01-लेखाशीर्ष 2013, मंत्रिपरिषद (9939) मंत्रियों द्वारा सहायता अनुदान मद 55 जनसंपर्क दौरे के समय अनुदान के तहत व्यय की जाएगी इस प्रस्ताव को कलेक्टर द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया है जिला प्रशासन की यह पहल जनसंपर्क निधि के पारदर्शी और प्रभावी उपयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

फिजियोथेरेपी कॉलेज निर्माण का भूमिपूजन 3 अप्रैल को, 1393.71 लाख की लागत से बनेगा कॉलेज, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए फिजियोथेरेपी कॉलेज मनेंद्रगढ़ के निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम 3 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा यह कॉलेज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत लगभग 1393.71 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 को सायं 4:00 बजे आमाखेरवा ग्राउंड में किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और उनके करकमलों द्वारा भूमिपूजन संपन्न किया जाएगा कार्यक्रम की अध्यक्षता कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना महंत करेंगी वहीं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-01 की विधायक रेणुका सिंह की गरिमामयी उपस्थिति भी कार्यक्रम में रहेगी इसके अलावा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में जिला पंचायत एमसीबी की अध्यक्ष यशवंती सिंह, जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष जानकी बाई तथा परसगढ़ी क्षेत्र के सरपंच बुद्धु सिंह भी उपस्थित रहेंगे सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष महत्व प्राप्त होगा फिजियोथेरेपी कॉलेज के निर्माण से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिलने की उम्मीद है यह संस्थान न केवल स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करेगा बल्कि जिले और आसपास के क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा इससे लोगों को बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी और स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण उपचार एवं प्रशिक्षण की सुविधा मिल सकेगी। जिला प्रशासन द्वारा इस महत्वपूर्ण जनहितकारी कार्यक्रम के सफल आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं कार्यक्रम के माध्यम से शासन की स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रतिबद्धता और विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। प्रशासन की ओर से जिले के सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों से विनम्र अनुरोध किया गया है कि वे समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर इस महत्वपूर्ण आयोजन को अपने-अपने माध्यमों से आमजन तक पहुंचाएं साथ ही कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने में सहयोग प्रदान करे।

कांग्रेस ने पेट्रोल-गैस मूल्यवृद्धि पर केंद्र सरकार को घेरा मोदी सरकार को फायदा पहुंचाने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। कांग्रेस ने पेट्रोल, कमर्शियल गैस की कीमतों में वृद्धि और बढ़ती महंगाई के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र गंगोत्री ने एक पत्रकार वार्ता में केंद्र सरकार पर निशाना साधा गंगोत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका से संबंध तोड़ने और ईरान व रूस से पेट्रोल तथा गैस आयात कर जनता को राहत पहुंचाने की मांग की उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा नीत एनडीए सरकार की नीतियां आम जनता के बजाय कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचा रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार एक तरफ टैक्स कम करके वाहवाही लूट रही है लेकिन इसका पूरा फायदा निजी कंपनी को मिल रहा है। उन्होंने जामनगर में विश्व स्तरीय रिफाइनरी और सरकारी नीतियों से उसे ही लाभ पहुंचने का आरोप लगाया जबकि आम जनता को कोई लाभ नहीं मिल रहा है गंगोत्री के अनुसार आम जनता के लिए गैस और पेट्रोल महंगा हो गया है कमर्शियल क्षेत्रों में भी कीमतें बढ़ी हैं जिससे देश भर के शहरों में होटलों के मेन्यू कार्ड महंगे हो गए हैं उन्होंने कहा कि छात्र, मजदूर सहित सभी वर्ग इस महंगाई से परेशान हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से अमेरिका के कहने पर देश न चलाने का आग्रह किया गंगोत्री ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी संसद में पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्यवृद्धि और महंगाई के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार जनता को गरीबी और बदहाली की ओर धकेलना चाहती है जिसका पार्टी हर स्तर पर विरोध कर रही है।

स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत प्रवेशोत्सव का विदिशा में भव्य शुभारंभ, जिले के स्कूलों में 9434 बच्चों ने किया प्रवेश

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में स्कूल चलें हम अभियान प्रवेशोत्सव का विदिशा के सांदीपनि विद्यालय बरईपुरा में भव्य शुभारंभ हुआ। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में नव प्रवेशी बच्चों को फूल-माला पहनाकर व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों को नवीन शैक्षणिक सत्र की पुस्तकें प्रदाय कर सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ स्कूल में प्रवेश कराया गया है। नव प्रवेशी बच्चों के इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने बच्चों का स्वागत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। डीपीसी आरपी लखेर ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ ही संपूर्ण विदिशा जिले के स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ है जिसमें कुल 9434 बच्चों को कक्षा पहली में प्रवेश कराया गया है। सांदीपनी विद्यालय बरईपुरा में आयोजित कार्यक्रम में विदिशा विधायक मुकेश टंडन ने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के लगातार प्रयास है कि बच्चे बेहतर शिक्षा के साथ आगे बढ़ें। शासकीय विद्यालयों में बेहतर और आधुनिक सुविधाओं के साथ शैक्षणिक व्यवस्थाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में संदीपनी विद्यालय प्रारंभ किए गए हैं जो एक सराहनीय पहल है बच्चे इन विद्यालयों में आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि जिस देश के बच्चे शिक्षित होते हैं उस देश को ताकतवर बनने से कोई नहीं रोक सकता। आज गरीब और मजदूरों के बच्चे आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षित हो रहे हैं। आंगनवाड़ी, स्कूल, मध्यान भोजन, मेधावी विद्यार्थी योजना, छात्रवृत्ति योजनाओं सहित अनेक को योजनाएं शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही हैं जिनका लाभ लेकर बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर, वैज्ञानिक सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं और मध्य प्रदेश के बच्चे आज देश-दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी बच्चे खूब पढ़ें और आगे बढ़ें। अभिभावकों से भी उन्होंने अपील की है कि वह अपने बच्चों को पढ़ाने में कोई कौर कसर छोड़ें उन्हें नियमित स्कूल भेजें। जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि स्कूल चले हम अभियान में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम एक पल नहीं बल्कि हर बच्चों का उज्जवल भविष्य बनाने का आंदोलन है शिक्षा हमारे जीवन की एक बड़ी पूंजी है शिक्षित बच्चा अपने परिवार ही नहीं बल्कि पूरे समाज व राष्ट्र का भविष्य संवरता है इसलिए हमारे संकल्प है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और इसी दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे शिक्षा ग्रहण अवश्य करें नियमित स्कूल जाएं और अपना भविष्य बनाएं। उन्होंने कहा कि आज शुभ तिथि है नन्हे-मुन्ने बच्चों का प्रवेशोत्सव हम मना रहे हैं। शिक्षा किताबी ज्ञान नहीं बल्कि बच्चों के जीवन को प्रकाश का ज्ञान देता है। कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्य धारा से वंचित न रहे इसलिए मध्य प्रदेश शासन द्वारा अनेकों योजनाएं चलाई जा रही है।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। 'स्कूल चलें अभियान' के तहत बुधवार को स्थानीय डॉ. बी.आर. अम्बेडकर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गेहलोत मुख्य अतिथि के रूप में तथा राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल की ओआईएस वीणा वारसने विशिष्ट शिक्षक के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी. एस. रघुवंशी ने जिले का वार्षिक शिक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा नवागत विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें और साइकिलें वितरित कीं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गेहलोत ने इस अवसर पर अपने संबोधन में विद्यार्थियों को नियमित स्कूल आने और कड़ी मेहनत कर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होने कहा कि 'शिक्षा ही जीवन में सफलता का मूल आधार है, विद्यार्थी पूरे मनोयोग से पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।' कार्यक्रम में भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना और शिक्षा के प्रति शासन की योजनाओं की जानकारी ली। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी.एस. रघुवंशी, ए.डी.पी.सी श्री ओ.एस. महाजन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी, शिक्षकगण, पालकगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक नितिन कुमार सोनी ने किया एवं अंत में आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष कुमार यादव ने किया।

कलेक्टर परिसर हरदा में धारा 163 लागू

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सिद्धार्थ जैन ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में सुरक्षा, शांति व्यवस्था और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश अनुसार किसी भी संगठन या समूह को ज्ञापन सौंपने के लिए अब पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। आवेदन में आयोजक के साथ केवल अधिकतम 5 व्यक्तियों के नाम, पते और मोबाइल नंबर का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। तय समय से केवल 30 मिनट तक का विलंब स्वीकार किया जा सकेगा, किन्तु उससे अधिक विलंब स्वीकार नहीं होगा। सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमत अधिकतम 5 व्यक्तियों के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। जारी आदेश अनुसार कोई व्यक्ति या संगठन पुलिस को पूर्व सूचना किये बिना तथा सक्षम अधिकारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना कोई सभा, जुलूस या वाहन रैली का आयोजन नहीं करेगा। कोभी व्यक्ति या संगठन या समूह कार्यालय कलेक्टर परिसर में लाठी डंडा पत्थर या किसी प्रकार का घातक अथवा ज्वलनशील पदार्थ या अन्य शस्त्रों का संग्रह नहीं कर सकेगा। कोई व्यक्ति बारूद या पटाखों, पेट्रोल ज्वलनशील पदार्थों को लेकर कलेक्टर परिसर में प्रवेश नहीं करेगा। जारी आदेश अनुसार कार्यालय कलेक्टर अंतर्गत सम्पूर्ण परिसर में व्यवसायिक वाहनों के आवागमन पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा।

सीहोर के जनजातीय बालक आश्रम में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा सीहोर में संचालित जनजातीय बालक आश्रम अंग्रेजी माध्यम में शिक्षण सत्र 2026-2027 में रिक्त 20 सीट के पर कक्षा छठवी एवं सातवी में नवीन प्रवेश के लिए विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गए है। कक्षा छठवीं एवं सातवीं में प्रवेश ऑनलाईन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से मेरिट के आधार पर किया जाऐगा। प्रवेश परीक्षा 21 अप्रैल 2026 को प्रातः 11.00 बजे से जनजातीय बालक आश्रम सीहोर में आयोजित की जायेगी। विद्यार्थी की आयु 01 जुलाई 2026 को 10 से 13 वर्ष के बीच होना चाहिए। प्रवेश के लिए कार्यालयीन समय में जनजातीय बालक आश्रम सीहोर से निःशुल्क आवेदन फॉर्म प्राप्त कर 01 अप्रैल से 15 अप्रैल के तक जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, प्रोफाइल पंजीयन, जाति प्रमाण पत्र, मूलनिवासी प्रमाण पत्र आदि आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर जनजातीय बालक आश्रम सीहोर में जमा किया जा सकता है।

10 अप्रैल तक बढ़ाई गई अग्निवीर भर्ती के आवेदन की तिथि

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। भोपाल में स्थित सेना भर्ती कार्यालय द्वारा अग्निवीर भर्ती वर्ष 2027 के लिए अविवाहित पुरुष अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 01 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई थी, जिसे बढ़ाकर अब 10 अप्रैल 2026 तक कर दिया गया है। आवेदन से संबंधित किसी भी प्रकार के परिवर्तन की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी। वहीं ऑनलाइन परीक्षा संभावित रूप से 01 जून से 15 जून 2026 के बीच आयोजित की जाएगी, जिसकी निश्चित तिथियां बाद में घोषित की जाएंगी।

एफएमडी अभियान के तहत 1 अप्रैल से 15 मई तक पशुओं का टीकाकरण कराएं

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत पशुओं में होने वाले खुरपका मुंहपका रोग की रोकथाम के लिए एफएमडी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत 1 अप्रैल से 15 मई तक जिले में पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. हेमंत शाह ने बताया कि इस अभियान के तहत सभी गांवों में गौवंशीय तथा भैंसवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे 4 माह से बड़े अपने गौवंशीय व भैसवंशीय पशुओं का टीकाकरण अवश्य करवाएं। इस सम्बंध में अधिक जानकारी के लिए पशुपालक अपने निकटतम पशु चिकित्सा केन्द्र में कार्यालयीन समय में कार्य दिवसों में जाकर संपर्क कर सकते हैं। डॉ. शाह ने बताया कि पशुओं के टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने नई डिजिटल व्यवस्था लागू की है।

शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया, विद्यार्थियों को पुस्तकें व साइकिलें वितरित की

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। स्कूल चलें अभियान के तहत बुधवार को शिक्षा सत्र के पहले दिन विद्यार्थियों को स्कूल में निःशुल्क पुस्तकें एवं साइकिलें वितरित की गई। जिला शिक्षा अधिकारी पी एस सोलंकी ने बताया कि स्कूल चलें हम अभियान के तहत शाला प्रवेशोत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम मोतीलाल नेहरू हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत खंडवा की अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े ने नव प्रवेशी विद्यार्थियों को नए शिक्षा सत्र की बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन संदीप जोशी ने किया और आभार प्रदर्शन डीपीसी रमसा सुरभि शर्मा ने व्यक्त किया।

गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण व स्वास्थ्य परीक्षण सही समय पर करें

कलेक्टर गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बुधवार को पंधाना जनपद पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में उपस्थित डॉक्टर्स व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण एवं उनकी प्रसवपूर्व स्वास्थ्य जांच निर्धारित समय पर की जाएं। समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर गुप्ता ने पंधाना के विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल तंतवार तथा बीपीएम पीएस डावर का एक एक माह का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम आरूद की एएनएम रेशमा पांजरे और पंधाना शहर की एएनएम अनिता गोलकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत के अलावा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल, डी.पी.एम. शैलेंद्र सोलंकी, डॉ. शक्तिसिंह राठौर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद थे। गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि गांव की स्वास्थ्य कार्यकर्ता व सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा गर्भावस्था के 9 माह के दौरान कम से कम 4 बार महिला का स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक रूप से किया जाए और उसकी जानकारी विभाग के पोर्टल पर आवश्यक रूप से दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि यदि गर्भवती महिला के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान महिला को स्वास्थ्य सम्बंधी कोई समस्या पाई जाती है, तो विकासखण्ड या जिला स्तर पर स्थित अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण कराकर उसका उपचार कराया जाए, ताकि प्रसव के समय परेशानी न हो। उन्होंने एनीमिक गर्भवती महिलाओं के मामले में विशेष सावधानी बरतने के लिए डॉक्टर्स व एएनएम को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में कहा कि जिले की मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि पोषण पुनर्वास केन्द्रों में कुपोषित बच्चों का बेहतर उपचार किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण का कार्य 15 अप्रैल तक पूर्ण करें। सभी पात्र नागरिकों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन का कार्य 15 अप्रैल तक पूर्ण किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि ई-संजीवनी पोर्टल का बेहतर उपयोग किया जाए।

गर्मी के मौसम में बिजली बिल को नियंत्रित करने के लिये आसान उपाय एवं जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से कहा कि वे गर्मी के मौसम में बिजली बिल नियंत्रित रखने के लिये दिए जा रहे आसान उपाय और जानकारियां अपनाकर बिजली और बिल की राशि दोनों में बचत कर सकते हैं। दिन में सूर्य के प्रकाश का अधिकतम उपयोग करें तथा गैर-जरूरी पंखे, लाईट इत्यादि उपकरणों को बंद रखें।

विशेषतः कार्यालयीन समय में भोजनावकाश के दौरान, घर से बाहर एवं कक्ष से बाहर जाते समय, ध्यानपूर्वक समस्त प्रकाश, पंखे एवं कंप्यूटर मॉनिटर इत्यादि को बंद करें चाहे आप थोड़े समय के लिए ही क्यों न बाहर जा रहे हों। अपने साथियों, सहकर्मियों, अधीनस्थ कर्मचारियों एवं परिवार को प्रोत्साहित करें कि वे दिन के समय विद्युत का कम से कम उपयोग करें। घरों में उपयोग होने वाले उपकरणों का प्रयोग यथासंभव एक साथ न करें क्योंकि ऐसा करने से घर की वायरिंग में विद्युत क्षति बढ़ जाती है। वार्षिक विद्युत खपत का लगभग 9 प्रतिशत केवल प्रकाश व्यवस्था पर खर्च होता है। अतः विद्युत का उपयोग अति आवश्यक अवसरों पर करने पर विद्युत खर्च में लगभग 20 प्रतिशत की कमी की जा सकती है।

ब्यूरो आफ एनर्जी इफिशिएंसी द्वारा प्रमाणित कम से कम तीन सितारा चिन्हित ऊर्जा दक्ष उपकरणों का क्रय करने से ऊर्जा खपत कम की जा सकती है। अप्रमाणित उपकरण क्रय करते समय सस्ते हो सकते हैं किंतु इनमें बिजली खपत अधिक होती है एवं कुछ अंतराल के पश्चात् ये महंगे साबित होते हैं।

इलेक्ट्रानिक उपकरण जैसे टी.वी. को स्टैण्डबाई मोड पर न रखने से 1 वर्ष में लगभग 70 यूनिट विद्युत की बचत हो सकती है।

कम्प्यूटर- कम्प्यूटर के मानिटर एवं कापीअर्स को स्लीप मोड में रखने से लगभग 40 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। एलईडी मॉनिटर का प्रयोग करें यह पारंपरिक सी.आर.टी. मॉनिटर की तुलना में कम ऊर्जा खर्च करता है। यदि कम्प्यूटर को चालू रखना आवश्यक हो तो मॉनिटर अवश्य बंद रखें जो कि कुल ऊर्जा का 50 प्रतिशत से अधिक खर्च करता है। यदि एक कम्प्यूटर 24 घंटे चालू रखा जाए तो यह एक ऊर्जा दक्ष फ्रिज से अधिक विद्युत खर्च करता है। उपयोग न होने पर कम्प्यूटर बंद रखें। एलईडी बल्ब - वर्तमान में एलईडी बल्ब ऊर्जा बचत के लिये अति उत्तम विकल्प है।

किसान कल्याण वर्ष 2026 - सीहोर जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा का बढ़ा कवरेज

किसानों की बढ़ती भागीदारी और बीमा राशि से किसानों का विश्वास हुआ और अधिक मजबूत

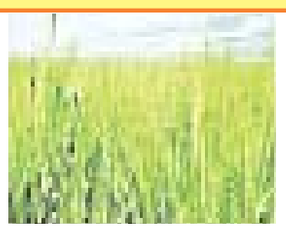

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया गया है और कृषि के विकास और किसानों के कल्याण के लिये योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। किसानों के लिए चलाई जा रही फसल बीमा योजना और राहत व्यवस्थाओं का सकारात्मक असर साफ दिखाई देने लगा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिये बड़ी मददगार साबित हुई है।

कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में किसानों की भागीदारी और लाभ दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खरीफ वर्ष 2024 में सीहोर जिले में 1,68,351 किसानों ने फसल बीमा का लाभ लिया, जो कि रबि 2023 के 68,593 किसानों के मुकाबले लगभग ढाई गुना ज्यादा है। यह दर्शाता है कि किसानों का सरकार की योजनाओं पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। जिले में केवल संख्या ही नहीं, बल्कि बीमित क्षेत्र भी बड़े स्तर पर बढ़ा है। खरीफ 2024 में लगभग 2,47,706 हेक्टेयर क्षेत्र बीमित किया गया, जिससे अधिक से अधिक किसानों की फसल सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी।

राशि के मामले में भी बड़ी उपलब्धि देखने को मिली है। खरीफ 2024 में किसानों को 43 करोड़ 73 लाख रुपये की दावा भुगतान राशि दी गई, जबकि 2023 में यह राशि 11 करोड 18 लाख रुपये थी। यह बढ़ोत्तरी किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हुई है। वहीं, खरीफ 2025 में भी बड़ी संख्या में 1,18,770 किसान योजना से जुड़े हैं।

और दावा भुगतान की प्रक्रिया जारी है, जिससे आने वाले समय में और किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाएं न केवल उनकी फसल सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी उन्हें सशक्त बना रही हैं। बढ़ती भागीदारी और बीमा राशि से किसानों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के नवाचार से स्कूल चलो अभियान को मिली नई उड़ान, प्रवेश उत्सव में विद्यार्थियों का भव्य स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ में विद्यार्थियों का स्वागत माला पहनाकर, पुस्तक एवं बैग वितरित कर किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि स्कूल चलो अभियान के तहत पहला दिन 'प्रवेश उत्सव' अत्यंत विशेष होता है, जो बच्चों को शिक्षा के प्रति आकर्षित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ में नवीन प्रवेश लेने वाले कक्षा 6वीं के छात्राओं का भी विशेष रूप से स्वागत किया गया। कलेक्टर डॉ. मिश्रा के नवाचार के तहत नवीन प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क बैग वितरित किए गए।साथ ही उन्होंने बताया कि जिले में लगभग 12 हजार बैगों का वितरण किया गया तथा जाति प्रमाण पत्रों का भी वितरण किया गया। इसके परिणामस्वरूप जिले के शासकीय विद्यालयों में नामांकन अनुपात में वृद्धि हुई, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस पहल की सराहना समग्र शिक्षा अभियान, भोपाल द्वारा भी की गई। इस अवसर पर ईशिका जाटव, सुहाना, कैनात, खुशबू, अक्षा एवं मोनिका को विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं कन्या महाविद्यालय में पिंकी मेवाड़े एवं कनक को शत प्रतिशत उपस्थिति के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा ने कहा कि यह विद्यालय अत्यंत पुराना एवं प्रतिष्ठित है, इसके गौरवशाली नाम को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने 'मीलों मुझे चलना है' दोहे के साथ अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि विद्यालय योग्य शिक्षकों के सशक्त हाथों में है। उन्होंने शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि वे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक विकासखंड स्तर पर पुस्तकालय स्थापित किए जाएं। साथ ही कहा कि हमारा विद्यालय भवनों से नहीं, बल्कि शिक्षकों और विद्यार्थियों से बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि उनके जैसे बच्चे भी शासकीय विद्यालय में पढ़कर आईएएस बन सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शिक्षा के क्षेत्र में जीवन के प्रत्येक पहलू को स्पर्श किया गया है। लैपटॉप, स्कूटी, छात्रवृत्ति सहित अनेक योजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। कार्यक्रम में पूर्व विधायकरघुनंदन शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले भी उपस्थित रहे। साथ ही शिक्षकों एवं प्राचार्यों की सराहना करते हुए उनके योगदान को प्रोत्साहित किया गया।

नटेरन में समर्थन मूल्य पर चना खरीदी का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा में शासन के निर्देशानुसार जिले में समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर चना उपार्जन कार्य का विधिवत शुभारंभ नटेरन क्षेत्र में किया गया। इस अवसर पर शमशाबाद विधानसभा के विधायक सूर्यप्रकाश मीणा ने प्राथमिक कृषक उत्पादक सहकारी संस्था सेऊ एफपीओ स्थित उपार्जन केंद्र पहुंचकर इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे की पूजा-अर्चना कर खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान चना विक्रय हेतु पंजीकृत किसानों का विधायक द्वारा फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया जिससे किसानों में उत्साह का माहौल देखा गया। विधायक मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में आगे बढ़ाते हुए किसानों को लाभकारी खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दूध बेचने से लेकर गोल्ड मेडल तक, जम्मू-कश्मीर के पहलवान की संघर्ष भरी कहानी

अंबिकापुर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलवान हमाम हुसैन की कहानी मेहनत, संघर्ष और सपनों की मिसाल है। जब वह कुश्ती की प्रैक्टिस नहीं कर रहे होते, तब अपने बड़े भाई के साथ घर-घर दूध पहुंचाने का काम करते हैं। पिता की पांच साल पहले मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी दोनों भाइयों पर आ गई थी, जिसके बाद उनके बड़े भाई को कुश्ती छोड़कर दूध बेचने का काम करना पड़ा।

14 साल की मेहनत के बाद मिला पहला गोल्ड: हमाम हुसैन ने आखिरकार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुष 79 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर अपने 14 साल के करियर का पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक हासिल किया। फाइनल में उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मोहित कुमार को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह जीत उनके लंबे संघर्ष और मेहनत का नतीजा है।

गांव से 40 किमी दूर जाकर करते हैं प्रैक्टिस: सीमित सुविधाओं के बावजूद हमाम ने कभी हार नहीं मानी। वह अपने गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर मिट्टी के अखाड़े में अभ्यास करते हैं और मैट प्रैक्टिस के लिए लगभग 40 किलोमीटर दूर जम्मू जाना पड़ता है। इतनी कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपने सपने को जिंदा रखा और लगातार मेहनत करते रहे।

बिना पर्सनल कोच के की तैयारी: हमाम के पास कोई पर्सनल कोच नहीं है। गांव के अखाड़े में सीनियर पहलवान ही उन्हें ट्रेनिंग देते हैं और जब वह मैट पर प्रैक्टिस करने जाते हैं, तब वहां कोच की मदद मिलती है। उनका कहना है कि गांवों में खिलाड़ियों को शहरों जैसी सुविधाएं नहीं मिलतीं, लेकिन अगर बेहतर सुविधाएं मिलें तो उनके क्षेत्र के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा मेडल जीत सकते हैं।

गोल्ड मेडल नहीं, मेहनत की जीत: हमाम हुसैन इस गोल्ड मेडल को सिर्फ एक पदक नहीं बल्कि अपनी वर्षों की मेहनत और संघर्ष का परिणाम मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसे इलाके से आते हैं जहां कुश्ती के लिए ज्यादा सुविधाएं नहीं हैं, इसलिए उन्हें लंबी दूरी तय करके अभ्यास करना पड़ता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगर ऐसे टूर्नामेंट आगे भी होते रहे तो उनके जैसे खिलाड़ी देश के लिए और मेडल जीत सकते हैं।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा, आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का परिचय दिया। दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए। तीसरे दिन भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। विश्वनाथ ने पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान के बेकजात एरगेशोव को 5-0 से हराया, जबकि सचिन ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया के बायंदालाई बायारखू को 4-1 से हराकर अपनी जगह पक्की की। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में एशिया भर के शीर्ष मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और हर मुकाबला पदक की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम है। भारतीय खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और आगे भी उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स पहली बार 150 से पहले आउट, मुंबई के खिलाफ हैट्रिक पर होंगे एनगिडी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (ढ्ढक्र 2026) में बुधवार (1 अप्रैल) को दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 18.4 ओवर में 141 रन पर आउट कर दिया। लखनऊ में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया और उनका यह फैसला सही भी साबित हुए। मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे। टीम पहली पारी में अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट हुई। दिल्ली कैपिटल्स के लिए टी नटराजन और लुंगी एनगिडी ने शानदार प्रदर्शन किया और 3-3 विकेट लिए। एनगिडी अगले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ हैट्रिक पर रहेंगे। लखनऊ सुपर जायंट्स का दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पहले पहली पारी में न्यूनतम स्कोर 8 विकेट पर 153 रन था। पंजाब किंग्स ने 2022 में पुणे में उसे इस स्कोर पर रोका था।

लखनऊ सुपर जायंट्स 150 से कम के स्कोर पर आउट– पहली बार ऐसा हुआ कि लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 150 से पहले ही ऑल आउट हो गई। 2023 में उसने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 7 विकेट पर 154 रन बनाए थे। 2022 में उसने वानखेड़े में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 6 विकेट पर 158 रन बनाए थे। लखनऊ में 2023 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 विकेट पर 159 रन बनाए थे।

एनगिडी ने 3 विकेट झटके– लुंगी एनगिडी ने 3.4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट झटके। उन्होंने निकोलस पूरन को बोल्ड किया। पूरने 8 रन बनाए। इसके बाद 19वें ओवर में एनरिख नॉर्खिया और मोहसिन खान को लगातार गेंदों पर पर आउट किया। इस तरह से एनगिडी शनिवार (4 अप्रैल) को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर हैट्रिक पर होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की जिन्होंने कहा कि देश को इस खिलाड़ी की उपलब्धियों पर गर्व है। पेस मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लिएंडर पेस के साथ मेरी मुलाकात बहुत अच्छी रही। भारत को टेनिस में उनकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है। हमने कई मुद्दों पर चर्चा की। खेलों और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका जुनून सचमुच काबिले तारीफ है। इस पोस्ट में उन्होंने इस पूर्व टेनिस खिलाड़ी के साथ अपनी तस्वीर भी साझा की। भाजपा में शामिल होने के बाद पेस ने कहा था कि यह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी है और देश की सेवा करने का एक बड़ा अवसर है।

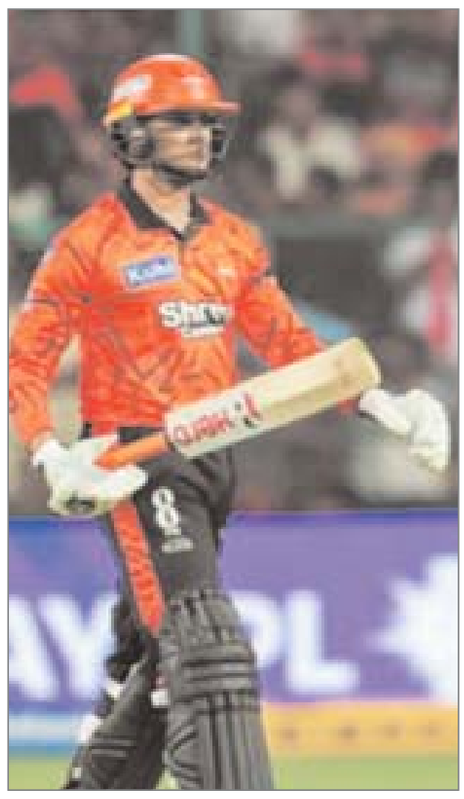

5 बल्लेबाज, जिन्होंने 'चौके-छक्कों' से ही पूरा कर दिया आईपीएल 'शतक'

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 फॉर्मेट बल्लेबाजों का खेल है, जिसमें 'चौके-छक्के' फैंस का जमकर मनोरंजन करते हैं। आइए, उन 5 बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने बाउंड्री की बरसात के साथ ही अपना शतक पूरा किया। 154 रनः क्रिस गेल चौके-छक्कों के साथ सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 23 अप्रैल 2013 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 175 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 66 गेंदों का सामना किया, जिसमें 17 छक्के और 13 चौके लगाए। यानी बाउंड्री से ही गेल ने 154 रन अपने खाते मे जोड़ लिए। 118 रनः आईपीएल इतिहास का सबसे पहला मैच 18 अप्रैल 2008 को खेला गया, जिसमें केकेआर की ओर से खेलते हुए ब्रैंडन मैक्कुलम ने आरसीबी के खिलाफ 73 गेंदों में 158 रन की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 13 छक्के और 10 चौके निकले।

116 रनः अभिषेक शर्मा ने 12 अप्रैल 2025 को सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए पंजाब किंग्स के विरुद्ध 141 रन की पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 14 चौके शामिल थे।

112 रनः एबी डिविलियर्स ने 14 मई 2016 को आरसीबी की ओर से खेलते हुए गुजरात लायन्स के विरुद्ध 129 रन की पारी खेली, जिसमें 12 छक्के और 10 चौके शामिल थे। इसके बाद 30 अप्रैल 2023 को यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए मुंबई इंडियंस के विरुद्ध 124 रन बनाए। उनकी इस पारी में 8 छक्के और 16 चौके शामिल थे।

106 रन : गेल ने 17 मई 2012 को आरसीबी की ओर से खेलते हुए दिल्ली डेयरडेविल्स के विरुद्ध 128 रन की पारी खेली। इस दौरान 62 गेंदों का सामना करते हुए गेल ने 13 छक्के और 7 चौके लगाए थे।
102 रन : सनथ जयसूर्या ने 14 मई 2008 को मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए सीएसके के विरुद्ध 48 गेंदों में 114 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 छक्के और 9 चौके निकले। इसके बाद 10 मई 2018 को ऋषभ पंत ने दिल्ली डेयरडेविल्स की ओर से सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 63 गेंदों में 7 छक्कों और 15 चौकों के साथ कुल 128 रन की पारी खेली थी।
110 रन : क्रिस गेल ने 6 मई 2015 को आरसीबी की ओर से खेलते हुए किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 57 गेंदों में 12 छक्कों और 7 चौकों के साथ 117 रन बनाए, जबकि 10 मई 2015 को एबी डिविलियर्स ने 59 गेंदों में 4 छक्कों और 19 चौकों के साथ 133 रन की पारी खेली। 18 मई 2022 को लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए क्विंटन डी कॉक ने 70 गेंदों में 10 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 140 रन की पारी खेली थी।

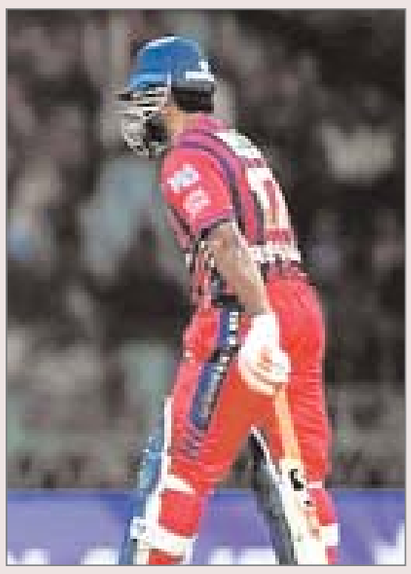

चौके से खोला खातादुर्भाग्यपूर्ण तरीके से हुए आउट, ओपनिंग में पंत का बल्ला फिर रहा खामोश

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (IPL 2026)में बुधवार (1 अप्रैल) को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पारी की शुरुआत करने उतरे। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ने लखनऊ की पारी की तीसरी ही गेंद पर चौका जड़ा, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल पाए। पंत तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुए। बतौर ओपनर आईपीएल में उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा।

ऋषभ पंत ने मिचेल मार्श के साथ पारी की शुरुआत करते हुए मुकेश कुमार की तीसरी गेंद पर चौके से खाता खोला। इससे पहले मार्श ने पहली गेंद पर 1 रन से खाता खोला था। पहली गेंद पर चौका लगाने के बाद संघर्ष करते दिखे और अगली 7 गेंदों पर केवल 3 रन बना पाए। इनमें से दो रन तीसरे ओवर में ही आए थे। पांचवीं गेंद पर पंत ने एक रन लिया और नॉन स्ट्राइक पर पहुंच गए।

दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुए पंत– मुकेश ने ओवर की आखिरी गेंद ऊपर की मार्श ने गेंद को सीधे खेल दिया। मुकेश ने फॉलो थ्रू में गेंद रोकने की कोशिश की और गेंद उनके हाथ से लगकर स्टंप पर लगी। ऋषभ पंत क्रीज से काफी बाहर निकल चुके थे। गेंद स्टंप पर लगते ही वह पवेलियन लौटने लगे। उन्होंने थर्ड अंपायर के फैसला का भी इंतजार नहीं किया। दिशा वकानी के ससुरालवालों ने ञ्जरूद्मद्मष्ट की शूटिंग के लिए बहू के सामने रखी थी कई शर्तें, जेनिफर मिस्त्री ने बताया नहीं होगा 'दयाबेन' का कमबैक

ऋषभ पंत का बतौर ओपनर रिकॉर्ड– ऋषभ पंत बतौर ओपनर आईपीएल में छठी बार खेलने उतरे और तीसरी बार दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। पंत ने पिछले सीजन भी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक मैच में ओपनिंग की थी। उन्होंने गुजरात टाइटंस (त्ञ्र) के खिलाफ 18 गेंद पर 21 रन बनाए थे। 2025 से पहले पंत ने 2016 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए चार पारियों में ओपनिंग की थी। उन्होंने पहली पारी में 40 गेंद पर 69, दूसरे में 8 गेंद पर 2, तीसरे में 26 गेंद पर 32 और चौथे मैच में 18 गेंद पर 21 र बनाए थे।

बुची बाबू टूर्नामेंट दूसरे राज्यों की टीमों पर रोक चेन्नई के फर्स्ट डिवीजन में नहीं खेलेंगे बाहरी खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। वेंकट कृष्णा बी। सीनियर पुरुष टीम का 2025-26 का घरेलू सीजन खराब रहने के बाद तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (ञ्जहृष्ट) ने अगले सीजन से पहले कुछ बड़े बदलाव किए हैं। आगे से बुची बाबू टूर्नामेंट में दूसरे राज्यों की टीमें हिस्सा नहीं ले पाएंगी। किसी भी बाहरी खिलाड़ी को टीएनसीए के फर्स्ट डिवीजन में खेलने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस फैसले से जलज सक्सेना, हर्ष दुबे और मानव सुतार जैसे कई खिलाड़ियों पर असर पड़ सकता है, जिन्हें अच्छी-खासी कमाई के साथ-साथ अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने का अनुभव भी नहीं मिलेगा। टीएनसीए ने फर्स्ट डिवीजन के लिए दो बदलाव किए हैं। आने वाले सीजन के लिए किसी भी कॉर्पोरेट टीम को राज्य से बाहर के खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने की इजाजत नहीं होगी। श्रीनिवास राज ने कहा, 'राज्य से बाहर के खिलाड़ियों को ज्यादा मौका मिलता है इसलिए हमने सोचा कि हमारे खिलाड़ी उस मौके का फायदा उठा सकते हैं और सभी मैच चार दिन के होंगे। बदलाव का मकसद यह पक्का करना है कि रणजी ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारी ठीक हो। तीन दिन का मैच खेलने से हमें कोई मदद नहीं मिल रही है, क्योंकि चौथा दिन ही असल में रणजी ट्रॉफी का फैसला करता है।'

बुची बाबू टूर्नामेंट में बाहरी टीमों पर रोक– रणजी ट्रॉफी से पहले सात मैचों में से तेज गेंदबाजों के मुफीद न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे। बुची बाबू इनविटेशनल टूर्नामेंट में इस साल कोई दूसरे राज्य की टीम नहीं होगी। टीएनसीए रणजी ट्रॉफी के संभावित खिलाड़ियों को चुनने के लिए अपनी टीमें उतारने की योजना बना रहा है। 2023 में टूर्नामेंट को घरेलू कैलेंडर में वापस लाने के बाद कई बाहरी टीमों को इस टूर्नामेंट में खेलने से फायदा हुआ था। जम्मू और कश्मीर ने इस साल की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी जीती थी। वह लगातार टूर्नामेंट में खेला है। इस टूर्नामेंट को एक तरह की तैयारी के तौर पर इस्तेमाल किया है।

मुंबई जैसी टीमें लेती रही हैं हिस्सा– इसी तरह, पश्चिम और उत्तरी हिस्सों में खराब मौसम की वजह से मुंबई, बंगाल और हरियाणा जैसी कई टीमें बुची बाबू टूर्नामेंट में हिस्सा लेती रही हैं। हालांकि, सिर्फ एक जीत और 14 अंक वाले रणजी सीजन के बाद टीएनसीए ने प्री-सीजन विंडो को छोटा करने का फैसला किया है। टीएनसीए अध्यक्ष टीजे श्रीनिवास राज ने कहा, 'हम चाहते थे कि हमारे खिलाड़ी अच्छी तैयारी करें। इसलिए हमने सोचा कि फर्स्ट डिवीजन का पहला लेग खत्म होने के बाद इंट्रा-स्क्वाड मैच खेलना सबसे अच्छा रहेगा। बेशक, दूसरे राज्य की टीमें खुश नहीं होंगी, लेकिन हमें इसे तमिलनाडु क्रिकेट के सबसे अच्छे हित में लेना होगा। फर्स्ट डिवीजन के 60 खिलाड़ी बुची बाबू में खेलेंगे।'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रवि शास्त्री से की मुलाकात, पूर्व क्रिकेटर ने भेंट की किताब

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री से अपने आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है। देवेंद्र फडणवीस ने अपने एक्स अकाउंट पर रवि शास्त्री के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'आज मुंबई में अपने आधिकारिक घर पर अनुभवी क्रिकेटर और इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री से मिलकर बहुत खुशी हुई। खास तोहफे के लिए शुक्रगुजार हूं।' रवि शास्त्री ने मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान 'इंडियाज 71-ईयर टेस्टः द जर्नी टू ट्रायम्फ इन ऑस्ट्रेलिया' किताब भेंट की। आर कौशिक द्वारा लिखी इस किताब में भारतीय क्रिकेट के सफर का एक शानदार चैप्टर दिखाया गया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में शास्त्री द्वारा उपहार स्वरुप मिले इस किताब का भी जिक्र किया है।

मुंबई से संबंध रखने वाले रवि शास्त्री भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेले दिग्गज ऑलराउंडरों में से एक रहे हैं। शास्त्री ने 1981 से 1992 के बीच भारतीय टीम के लिए 80 टेस्ट और 150 वनडे मैच खेले। टेस्ट मैचों में 11 शतक और 12 अर्धशतक की मदद से 3,830 रन बनाने वाले शास्त्री ने 151 विकेट लिए थे। वहीं, वनडे में उनके नाम 4 शतक और 18 अर्धशतक की बदौलत 3,108 रन और 129 विकेट हैं। शास्त्री 1983 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे थे।

रवि शास्त्री संन्यास के बाद से कमेंट्री के क्षेत्र में उतरे और बड़ी सफलता हासिल की। अंग्रेजी कमेंट्री में वह भारत का सर्वाधिक लोकप्रिय चेहरा हैं। सफल कमेंट्री करियर के दौरान शास्त्री कोचिंग के क्षेत्र में भी आए थे। विराट कोहली की कप्तानी के समय वह भारतीय टीम के कोच रहे थे। उनकी कोचिंग (2017 से 2021 तक) के समय भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट अपराजेय स्थिति में थी और आईसीसी की रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज थी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में भी टेस्ट सीरीज जीती थी। कोचिंग से हटने के बाद शास्त्री फिर से कमेंट्री के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

पश्चिम एशियाई संकट के बीच उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने में जुटी सरकार

पंजीकृत रकबे के मुताबिक सभी किसानों को मिलेगी समय पर खादः कृषि मंत्री रामविचार नेता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पश्चिम एशिया में चल रहे अमेरिका - इज़राइल और ईरान के बीच तनाव के कारण आयातित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के बीच केन्द्र और राज्य सरकार ने किसानों को उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशन में छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ सीजन 2026 के लिए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु ठोस कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयासों से आगामी खरीफ सीजन 2026 के लिए छत्तीसगढ़ को केन्द्र सरकार द्वारा 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आबंटित हुआ है। वर्तमान में गोदामों एवं समितियों में लगभग 7.48 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी किसानों को पारदर्शिता के साथ पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का आबंटन सुनिश्चित हो।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों की वर्चुअल बैठक लेकर राज्यों में उर्वरकों की आपूर्ति, अद्यतन स्टॉक एवं वितरण की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। इस वर्चुअल बैठक में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, राज्य के कृषि एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल रूप से शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान कृषि मंत्री नेताम ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ को भारत सरकार द्वारा खरीफ सीजन -2026 के लिए कुल 15 लाख 55 हजार मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसमें यूरिया 7.25 लाख, डीएपी 3 लाख, एमओपी 80 हजार, एनपीके 2.5 लाख तथा एसएसपी 2 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में अभी 7.48 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध : मंत्री नेताम ने बताया कि 30 मार्च 2026 की स्थिति में राज्य में कुल 7.48 लाख मीट्रिक टन उर्वरक स्टॉक में मौजूद है, जिसमें यूरिया 2,43,717 मीट्रिक टन, डीएपी 1,05,631 मीट्रिक टन, एनपीके 1,69,109 मीट्रिक टन, एमओपी 50,431 मीट्रिक टन और एसएसपी 1,78,657 मीट्रिक टन इस तरह कुल 7.48 लाख मीट्रिक टन खाद स्टॉक में मौजूद है।

जैविक खाद और नैनो उर्वरकों के प्रति किसानों को किया जा रहा है जागरूक: मंत्री नेताम ने कहा कि पश्चिमी एशियाई संकट के चलते रासायनिक उर्वरकों की संभावित कमी को देखते हुए विभाग द्वारा किसानों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके तहत एनपीके 12:32:16, 20:20:0:13, हरी खाद, जैविक खाद और नैनो उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की अनुशंसा के आधार पर सहकारी समितियों और निजी विक्रय केंद्रों में किसानों के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

● **जल्द शुरू होगी ई-उर्वरक वितरण प्रणाली :** मंत्री नेताम ने कहा कि किसानों को वास्तविक रकबे के हिसाब से खाद मिले, इस उद्देश्य से राज्य में जल्द ही ई-उर्वरक वितरण प्रणाली लागू की जाएगी। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप के माध्यम से किसानों को उनकी फसल के रकबे के अनुसार अनुशंसित उर्वरक नजदीकी विक्रय केंद्रों से मिलेगी। आवश्यकता से अधिक मांग की स्थिति में मैदानी जांच के आधार पर अतिरिक्त आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाएगी।

● **कालाबाजारी और जमाखोरी पर कड़ी निगरानी :** मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार ने उर्वरकों की कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए जिला स्तर पर उड़नदस्ता दल और निगरानी समितियों के गठन के निर्देश दिए हैं।

ताला एनीकट निर्माण कार्य के लिए 3.18 करोड़ रूपए स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा महासमुंद जिले के विकासखण्ड-पिथौरा की ताला एनीकट निर्माण कार्य के लिए तीन करोड़ 18 लाख 90 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के निर्माण से निस्तारी, पेयजल, भू-जल संवर्धन एवं किसानों द्वारा स्वयं के साधन से 50 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से योजना का कार्य पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

टीम प्रहरी अभियान: उद्योग भवन सर्विस रोड व पुरैना मुख्य मार्ग अतिक्रमणमुक्त

अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर, सड़कें हुईं साफ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार राजधानी रायपुर में सुगम एवं व्यवस्थित यातायात सुनिश्चित करने के लिए 'टीम प्रहरी अभियान' के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा आयुक्त विश्वदीप के नेतृत्व में जोन क्रमांक 10 अंतर्गत उद्योग भवन सर्विस रोड एवं पुरैना मुख्य मार्ग को अतिक्रमणमुक्त करने व्यापक अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान संबंधित विभागों एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने सर्विस रोड एवं मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए लगभग 5-6 ठेलों एवं गुमटियों को हटाया। वहीं लगभग 30-35 ठेला एवं गुमटी संचालकों को 24 घंटे के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने की सख्त समझाइश दी गई है।

प्रशासन द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि सड़क एवं सर्विस रोड पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं होगा। निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाने पर संबंधित सामग्री की जब्ती, जुर्माना एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित अतिक्रमणकर्ताओं की होगी।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा है कि आम नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। 'टीम प्रहरी अभियान' के माध्यम से शहर के प्रमुख मार्गों को अतिक्रमणमुक्त कर यातायात को सुगम एवं व्यवस्थित बनाया जा रहा है। इस सतत अभियान के परिणामस्वरूप शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में सुधार हो रहा है तथा आमजनों को जाम की समस्या से राहत मिल रही है। प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रखी जाएगी।

जनवरी 2026 में रेस-वॉक शुरू करने वाली शिलांग की युवा एथलीट बेथलीन माकरी ने खुद पर यकीन रखते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में जीता कांस्य पदक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पिछले साल 29 दिसंबर को शिलांग के साई के स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में बेथलीन ग्रेस माकरी के कोच ने अचानक इस युवा एथलीट में एक रेस-वॉक एथलीट बनने की काबिलियत देखी। मजे की बात यह है कि बेथलीन खुद इस इवेंट के बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानती थी और इसकी तकनीकी बारीकियों की तो बात ही छोड़ दें। पिछले साल तक, मेघालय की यह युवा एथलीट एक मिडिल और लॉन्ग-डिस्टेंस रनर के तौर पर मुकाबला कर रही थीं। लेकिन 2026 की शुरुआत में, उसे अपना खेल बदलने के लिए कहा गया जिसने उसकी शारीरिक और मानसिक, दोनों तरह की ताकत की परीक्षा ली।

खासी ट्राइब से आने वाली बेथलीन के लिए यह बदलाव बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उनके लिए शुरुआती कुछ सप्ताह बहुत कठिन थे, जब वह रेस-वॉक की अनजान तकनीक के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रही थीं और शरीर में तेज दर्द से जूझ रही थीं। इसके चलते कई रातें बिना नींद के बीतीं और मन में आत्म-संदेह भी पैदा होने लगा।

हालांकि, उनके कोच और परिवार के सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी। तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी और इकलौती बेटी होने के नाते, बेथलीन ने इस चुनौती को स्वीकार किया और खेल की तकनीकी बारीकियों को सीखने में खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। इसके बाद उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के पहले एडिशन में भाग लेने के लिए जगदलपुर का रुख किया।

उन्होंने साई मीडिया से कहा, '' पहले दो हफ्ते वाकई बहुत मुश्किल थे, खासकर मेरे शरीर के लिए। रेस-वॉक की तकनीकी बारीकियां मध्यम या लंबी दूरी की दौड़ से बिल्कुल अलग होती हैं, इसलिए मुझे इसे समझने में समय लगा। इसके बाद कई रातों तक नींद नहीं आई, घबराहट के पल आए और आखिरकार मुझे खुद पर शक होने लगा कि क्या मेरा फैसला सही था।''

लेकिन बुधवार को उन संघर्षों का भरपूर फल मिला। बेथलीन ने महिलाओं की रेस-वॉक स्पर्धा में 1:05:18 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। वह झारखंड की नेहा ज़ालक्सो (1:04:02) और ओडिशा की एलीश एक्का (1:04:59) के बाद तीसरे स्थान पर रहीं। पदक जीतने के कुछ ही पलों बाद इस एथलीट ने इसका श्रेय अपने कोच और परिवार को दिया। उन्होंने कहा, ''मेरे कोच और मेरे परिवार ने मेरा पूरा साथ दिया, और मुझे इसे जारी रखने के लिए लगातार प्रेरित करते रहे। मैंने भी इसे आज़माने का सोचा, और आज मैं यहां हूं। मेरे पास अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन यह ठीक वैसी ही शुरुआत थी जिसकी मुझे ज़रूरत थी।''

उन्होंने आगे कहा, '' खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में मिला कांस्य पदक मेरी कड़ी मेहनत, मेरे विश्वास और मेरे कोचों व परिवार के समर्थन का प्रमाण है और यह इस खेल में आगे बढ़ने के लिए मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने का काम करता है। 'शिलांग कॉलेज में बीए की दूसरे वर्ष की छात्रा बेथलीन को इस बात पर बेहद गर्व है कि वह मेघालय की एकमात्र ऐसी 'रेस वॉकर' हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीता है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने 3.80 करोड़ रूपए की सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जयनगर-कासापारा में ?3.80 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत कार्यप्रारंभ पूजन किया।

लोक निर्माण विभाग के माध्यम से स्वीकृत इस परियोजना के तहत 3.60 किलोमीटर लंबी सड़क का उन्नयन एवं नवीनीकरण किया जाएगा। इस कार्य के लिए शासन द्वारा 380.15 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। सड़क निर्माण पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा और सुगम संपर्क का लाभ मिलेगा।

मंत्री राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन और विकास को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतार रही है।

संचालनालय कोष एवं लेखा ने शुरू कीं नई डिजिटल सेवाएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। संचालनालय कोष एवं लेखा ने राज्य में वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई नई डिजिटल सेवाओं की शुरुआत की है। इन पहलों का लक्ष्य आम नागरिकों, शासकीय विभागों एवं अन्य हितधारकों को सरल, सुलभ और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

इसी क्रम में, ई-चालान के तहत ह्ळ्ळ्ष्ट प्रणाली को 01 अप्रैल 2026 से लागू किया गया है। अब सभी प्रकार की शासकीय प्राप्तियों का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकेगा। नागरिक और संस्थाएं आसानी से चालान तैयार कर राजस्व जमा कर सकेंगे, जिससे भुगतान प्रक्रिया अधिक सहज, समयबद्ध और पारदर्शी होगी।

इसके साथ ही कोषालयों में ऑनलाइन बीटीआर सुविधा भी शुरू कर दी गई है, जिससे लेखांकन कार्यों में गति और सटीकता आएगी। राज्य में एक केंद्रीय कोषालय का भी शुभारंभ किया गया है। इस व्यवस्था के तहत भारत सरकार से प्राप्त राशि के भुगतान स्ह्न स्ठ्ठ्न्न्र प्रणाली के माध्यम से अब अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और केंद्रीकृत तरीके से किए जाएंगे, जिससे पूरी प्रक्रिया में दक्षता सुनिश्चित होगी। संचालनालय कोष एवं लेखा की नई वेबसाइट (dta.cg.gov.in) भी लॉन्च की गई है, जहां उपयोगकर्ताओं को विभाग से संबंधित नवीनतम जानकारी, विभिन्न ऑनलाइन सेवाएं और जरूरी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। यह पहल राज्य में वित्तीय प्रशासन को आधुनिक स्वरूप देने और डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मसाला क्षेत्र विस्तार योजना

मसाले की खेती ओर बढ़ रहा किसानों का रूझान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार के किसान हितैषी नीतियों एवं किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार उद्यानिकी फसलों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए सब्सिडी के साथ-साथ प्रशिक्षण एवं तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में महासमुंद जिले के विकासखंड पिथौरा अंतर्गत ग्राम कसहीबाहरा के प्रगतिशील किसान निरंजन पटेल ने अपनी मेहनत और नवाचार से खेती में अच्छी सफलता प्राप्त की है। निरंजन पटेल बताते हैं कि वे पहले पारंपरिक रूप से धान की खेती करते थे, जिसमें उन्हें अधिक लागत और अपेक्षाकृत कम उत्पादन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। वर्ष 2025-26 में उन्होंने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत मसाला क्षेत्र विस्तार योजना के तहत धनिया की खेती अपनाई। उन्होंने अपनी 0.40 हेक्टेयर पूरी सिंचित भूमि में उन्नत किस्मों कस्तूरी धनिया एवं अंकुर धनिया का उत्पादन प्रारंभ किया। आधुनिक तकनीक के रूप में उन्होंने ड्रिप सिंचाई प्रणाली का उपयोग किया, जिससे जल की बचत के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में भी वृद्धि हुई। उद्यानिकी विभाग द्वारा उन्हें 0.40 हेक्टेयर के लिए 8000 का अनुदान डीबीटी के माध्यम से प्रदान किया गया, जिससे उन्हें प्रारंभिक लागत में राहत मिली। पूर्व में जहां वे धान की खेती से प्रति एकड़ लगभग 21 क्विंटल उत्पादन प्राप्त करते थे और लगभग 30,000 की सीमित आय होती थी, वहीं धनिया की खेती अपनाने के बाद उन्होंने लगभग 35 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त किया। धनिया की खेती से उनकी कुल आय बढ़कर लगभग 50,000 प्रति एकड़ हो गई।

21 जिलों के निरीक्षण में खामियां उजागर, राज्य खाद्य आयोग ने विभागों को दिए सत निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के निरीक्षण में 21 जिलों में संचालित शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में कई कमियां सामने आई हैं। इन खामियों को लेकर आयोग ने सख्ती दिखाते हुए संबंधित विभागों को त्वरित सुधार के निर्देश दिए हैं। आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा की अध्यक्षता में नवा रायपुर स्थित कार्यालय में आयोजित अंर्तविभागीय बैठक में खाद्य, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा और आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई। निरीक्षण में उचित मूल्य दुकानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों के मध्यान्ह भोजन और आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था का जायजा लिया गया था। बैठक में बालक छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता और सामग्री आपूर्ति में सुधार की जरूरत बताई गई, जबकि कन्या छात्रावासों की स्थिति बेहतर पाई गई। 21 जिलों से निरीक्षण संबंधी अनुशंसाओं के पालन प्रतिवेदन समय पर नहीं मिलने पर अध्यक्ष ने नाराजगी जताई और शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।आयोग ने निर्देश दिए कि सभी आश्रम-छात्रावासों में दैनिक भोजन मैन्यू और कॉल सेंटर नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं, ताकि शिकायत और सुझाव दर्ज किए जा सकें।

मोर गाँव,मोर पानी अभियान ने हासिल की ऐतिहासिक उपलधि

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मोर गांव,मोर पानी महाभियान अंतर्गत बलौदा बाजार भाटापारा जिले में जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देते हुए अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित आवासों में केवल 15 दिन में 31,066 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। यह उपलब्धि व्यापक जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं श्रमदान का मिसाल बन गया है।

जनभागीदारी बना जन आंदोलन - कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में मोर गांव, मोर पानी महाभियान 2.0 की शुरुआत जिले में 13 मार्च 2026 से की गई है। इस अभियान के सफल संचालन हेतु तिथिवार कार्यक्रम तय किये गए है। इस उपलब्धि से जल संरक्षण के प्रति जिले की सामूहिक प्रतिबद्धता, जनसहभागिता और सशक्त नेतृत्व परिलक्षित होता है।ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया जिससे अभियान ने एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया।

प्रत्येक पीएम आवास की औसत साइज लगभग 300 वर्ग फीट है। इनमे निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं वर्षा जल को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अनुमानतः प्रत्येक वर्षा ऋतु में इन संरचनाओं के माध्यम से हजारों लीटर पानी का संग्रहण संभव होगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि, जल संकट में कमी तथा स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

वर्तमान के साथ भविष्य भी सुरक्षित - इस पहल से न केवल वर्तमान जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी यह एक ठोस कदम है। मोर गांव,मोर पानी अभियान ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब प्रशासन और आमजन एक साथ मिलकर संकल्प लेते हैं तो असंभव भी संभव हो जाता है।

प्रशासन की अपील - जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस जन-आंदोलन से जुड़कर अपने घरों एवं गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाएं तथा 'हर घर जल संचय' के लक्ष्य को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

संघर्ष पर खेल की जीत : सुदूर बस्तर का अबूझमाड़ रामकृष्ण मिशन आश्रम का फुटबॉल टैलेंट पाइपलाइन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में चमका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के दूरस्थ अबूझमाड़ क्षेत्र में आदिवासी समुदायों के उत्थान के उद्देश्य से 1986 में स्थापित रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम आज चुपचाप फुटबॉल प्रतिभाओं की एक अनोखी नर्सरी बनकर उभरा है। यह आश्रम छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में स्थित है और राज्य की राजधानी रायपुर से लगभग 250 किलोमीटर दूर है।

इसका प्रभाव मौजूदा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में साफ दिखाई दे रहा है, जहां पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों में एक दर्जन से अधिक खिलाड़ी आश्रम में प्रशिक्षण पाकर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जहां महिला टीम फाइनल में पहुंच चुकी है, वहीं पुरुष टीम ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

छत्तीसगढ़ फुटबॉल संघ के सहायक महासचिव और एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य मोहन लाल ने कहा, 'केआईटीजी 2026 में प्रतिस्पर्धा कर रही पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों में प्रत्येक में लगभग 12-13 खिलाड़ी इसी अकादमी से हैं। '

कभी अलगाव और संघर्ष के लिए पहचाने जाने वाले बस्तर क्षेत्र में स्थित आरके मिशन दशकों से बेहद दूरदराज के आदिवासी गांवों के बच्चों तक शिक्षा और अवसर पहुंचाने का काम कर रहा है। इनमें से कई गांव घने जंगलों के भीतर हैं, जहां औपचारिक शिक्षा तक पहुंच बहुत सीमित या लगभग नहीं के बराबर है।

आश्रम इन बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है, साथ ही संगीत और खेलों में उनकी रुचि को भी विकसित करता है। पढ़ाई के साथ-साथ खेल आश्रम के विकास कार्यक्रम का एक अहम स्तंभ बन चुका है।

बच्चों को कम उम्र में ही विभिन्न खेलों से परिचित कराया जाता है और शिक्षा के साथ-साथ उन्हें व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए खेलों में करियर बना सकें।

हर साल संस्थान के लगभग 50 से 60 छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिलता है, जो इस आवासीय परिसर से लगातार उभर रही प्रतिभाओं को दर्शाता है।

मोहन लाल के अनुसार, आश्रम ने अपने छात्रों को समर्थन देने के लिए मजबूत खेल ढांचा विकसित किया है। परिसर में तीन फुटबॉल मैदान हैं, जिनमें एक एस्ट्रो-टर्फ सुविधा भी शामिल है, साथ ही बैडमिंटन, टेबल टेनिस, खो-खो और मल्लखंभ के लिए इनडोर एरेना भी मौजूद हैं।

मोहन लाल का मानना है कि नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले कई बच्चों के जीवन में खेल ने परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। आज यह आश्रम विभिन्न आयु वर्गों के 2,700 से अधिक बच्चों का घर है, जहां उन्हें न केवल शिक्षा मिलती है, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर, खिलाड़ी या शिक्षाविद बनने के सपने देखने का अवसर भी मिलता है।

मोहनलाल ने कहा, 'कई मायनों में यह देश के सर्वश्रेष्ठ आवासीय स्कूलों में से एक है, जो शिक्षा और खेल के माध्यम से जीवन संवारने में आश्रम की अनूठी भूमिका को दर्शाता है। ' उन्होंने आगे कहा, 'यहां लगभग 2700 छात्र हैं, जो सभी आयु वर्गों और कक्षा 1 से 12 तक के हैं। इस स्कूल से निकले कई छात्र देश की शीर्ष कंपनियों में कार्यरत हैं और कई प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं। 'लाल ने बताया कि अकादमी की खेल सुविधाओं को तब और पहचान मिली, जब रामकृष्ण मिशन फुटबॉल अकादमी (ऋग्नरू स्न्न) राज्य का पहला फुटबॉल क्लब बना जिसने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन द्वारा आयोजित अंडर-17 यूथ कप और आई-लीग 2 में भाग लिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा